RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:126 ता. 11 नवम्बर 2022, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

ताजमहल के 500 मीटर के दायरे में बनीं दुकानें नहीं हटेंगी, सुप्रीम कोर्ट ने व्यापारियों को दी बड़ी राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ताजमहल के की दीवार से 500 मीटर के दायरे में सभी व्यापारिक गतिविधियां बंद करने के मामले में बड़ी राहत दी। कोर्ट ने व्यावसायिक गतिविधियों के पर्यावरणीय प्रभाव पर कोई सर्वेक्षण नहीं करने के लिए बुधवार को आगरा विकास प्राधिकरण को जमकर फटकार लगाई और इसे ''दुखद स्थिति'' करार दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि उसे सुपर एडमिनिस्ट्रेटर की तरह काम करना होगा, क्योंकि एडीए अपना कर्तव्य निभाने में विफल रहा है। इसके साथ ही न्यायालय ने सदियों पुराने स्मारक की चारदीवारी के साथ सभी व्यावसायिक गतिविधियों को बंद करने के लिए दिए गए नोटिस के अमल पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति अभय एस ओका की पीठ ने राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान को विशेष रूप से ताजमहल की चारदीवारी के 500 मीटर के दायरे में व्यावसायिक गतिविधियों के नवीनतम सर्वेक्षण के आधार पर पर्यावरण प्रभाव आकलन करने और जल्द से जल्द अदालत को सुझाव देते हुए एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। दुकान मालिकों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि वे दशकों से अपना कारोबार कर रहे हैं और इलाके में उनके आवास हैं और अब एडीए ने उन्हें बंद करने का नोटिस दिया है। रोहतगी ने कहा कि ये 2,000 प्रतिष्ठान पिछले 40 वर्षों से किसी भी तरह के मुकदमे में नहीं हैं और कभी भी ऐसी किसी भी व्यावसायिक गतिविधि में शामिल नहीं हुए हैं जो प्रतिबंधित है। न्याय मित्र एडीएन राव ने कहा कि ताजमहल के 500 मीटर के दायरे में व्यावसायिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश 1996 से अस्तित्व में है और इसे बार-बार दोहराया गया है।

संजय राउत की गिरफ्तारी को जज ने क्यों बताया 'अवैध', क्या अदालत में घिर गई ईडी

महाराष्ट्र के पातरा चॉल स्कैम में आरोपी बनाए गए राज्यसभा सांसद संजय राउत को बेल पर जेल से रिहाई मिल गई है। पीएमएलए कोर्ट ने संजय राउत की बेल मंजूर करते हुए कई अहम टिप्पणियां भी कीं।

मुंबई। महाराष्ट्र के पातरा चॉल स्कैम में आरोपी बनाए गए राज्यसभा सांसद संजय राउत को बेल पर जेल से रिहाई मिल गई है। पीएमएलए कोर्ट ने संजय राउत की बेल मंजूर करते हुए कई अहम टिप्पणियां भी कीं। स्पेशल जज एमजी देशपांडे ने संजय राउत और प्रवीण राउत की गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए कहा कि ईडी उन लोगों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है, जो मामले में मुख्य आरोपी हैं। यही नहीं जज ने कहा कि ईडी का स्टैंड इस केस में मुख्य आरोपी की पहचान को लेकर बदलता रहा है। अदालत ने यह भी कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग के नाम पर निर्दोष लोगों को विवाद में नहीं घसीटा जा सकता।

संजय राउत को मिली बेल का ईडी ने सेशन कोर्ट में भी विरोध किया, लेकिन वहां से भी उसे निराशा हाथ लगी। इसके बाद बुधवार शाम को ईडी ने बॉम्बे हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी, लेकिन उच्च न्यायालय ने संजय राउत की रिहाई पर रोक से इनकार कर दिया। हालांकि अदालत ने आज ईडी की अर्जी पर सुनवाई की बात कही है। अदालत ने कहा कि संजय राउत की बेल पर पीएमएलए कोर्ट

ने एक महीने फैसला लिया है। ऐसे में आप हमसे यह उम्मीद क्यों करते हैं कि पूरे मामले को समझे बिना ही हम फैसला दे दें।

अदालत ने संजय राउत के अलावा मामले के सह-आरोपी प्रवीण राउत को भी बेल दे दी है। प्रवीण राउत पर आरोप है कि वह संजय राउत के लिए काम कर रहे थे और अवैध तौर पर इस परियोजना के हिस्से को बेच दिया। संजय राउत को इस केस में 102 दिनों की जेल के बाद रिहाई मिली है, जिससे शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट में जश्न का माहौल है। उद्धव ठाकरे गुट संजय राउत की रिहाई को सत्य की जीत के तौर पर दिखा रहा है। बुधवार

● संजय राउत को मिली बेल का ईडी ने सेशन कोर्ट में भी विरोध किया, लेकिन वहां से भी उसे निराशा हाथ लगी। इसके बाद बुधवार शाम को ईडी ने बॉम्बे हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी, लेकिन उच्च न्यायालय ने संजय राउत की रिहाई पर रोक से इनकार कर दिया।

को उद्धव ठाकरे ने बेल के फैसले के तुरंत पर बाद संजय राउत से बात की थी और फिर उनसे मुलाकात करने भी पहुंचे।

लालू यादव को बेटी रोहिणी आचार्य देंगी किडनी, सिंगापुर में इसी महीने होगा ट्रांसप्लांट !

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट होगा। लालू को उनकी बेटी रोहिणी आचार्य किडनी देगी। लालू यादव अभी दिल्ली में हैं और जल्द ही सिंगापुर के लिए रवाना होने वाले हैं। इसी महीने उनका किडनी ट्रांसप्लांट किया जाना है। बता दें कि लालू पिछले महीने ही सिंगापुर में डॉक्टरों से चेकअप कराकर लौटे थे।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि सिंगापुर के डॉक्टरों ने लालू यादव के किडनी ट्रांसप्लांट की अनुमति दे दी है। लालू की बेटी रोहिणी आचार्य उन्हें किडनी दान करेंगी। रोहिणी अपने पति के साथ सिंगापुर में ही रहती हैं। पिछले महीने लालू यादव जब डॉक्टर को दिखाने सिंगापुर गए थे, तो वे रोहिणी के घर पर ही रुके थे। आरजेडी सुप्रीमो को किडनी, दिल समेत अन्य कई बीमारियां हैं। उनका लंबे समय तक दिल्ली एम्स में इलाज चला। वहां के डॉक्टरों ने किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत बताई। साथ ही सिंगापुर में इलाज कराने की सलाह दी। इसके बाद लालू यादव अक्टूबर में सिंगापुर गए और वहां के डॉक्टरों से चेकअप कराया। बताया जा रहा है कि डॉक्टरों ने सभी जांच रिपोर्टों के आधार पर लालू के किडनी ट्रांसप्लांट करने का फैसला लिया है। 24 नवंबर से पहले ही लालू सिंगापुर पहुंच जाएंगे। पिछले दिनों डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने भी कहा था कि नवंबर में लालू यादव का किडनी ट्रांसप्लांट होना है। रोहिणी आचार्य अभी सिंगापुर में ही हैं। साथ ही लालू यादव अभी दिल्ली में अपनी बड़ी बेटी मीसा भारती के आवास पर आराम कर रहे हैं।

कहा ये भी जा रहा है कि लालू यादव पहले अपनी बेटी की किडनी लेने के लिए राजी नहीं हुए। बाद में डॉक्टरों ने सुझाव दिया कि परिवार के किसी सदस्य की किडनी का ट्रांसप्लांट कराना ज्यादा प्रभावी होता है। फिर रोहिणी की किडनी लेने के लिए लालू तैयार हो गए।

ED के निदेशक का कार्यकाल बढ़ाने के खिलाफ SC करेगा सुनवाई, क्यों हुआ विरोध

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के चीफ डायरेक्टर संजय कुमार मिश्रा के कार्यकाल विस्तार को चुनौती देने वाली अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट में अगले सप्ताह सुनवाई हो सकती है। केंद्र सरकार ने बीते साल नवंबर में ही दो अध्यादेश पारित किए थे, जिनके जरिए ईडी और सीबीआई के निदेशकों के कार्यकाल में 5 साल का विस्तार किया गया है। संजय मिश्रा के रिटायरमेंट के ठीक तीन दिन पहले ही केंद्र सरकार अध्यादेश लेकर आई थी। मिश्रा का कार्यकाल विस्तार इस साल 18 नवंबर तक के लिए ही किया गया था, लेकिन अध्यादेश के मुताबिक अब उनका टर्म और ज्यादा बढ़ सकता है।

दलित मुसलमानों और ईसाइयों को स्ट से क्यों किया बाहर? केंद्र ने बताया

मध्य प्रदेश कांग्रेस की नेता जया ठाकुर ने जुलाई में केंद्र सरकार की ओर से संजय कुमार मिश्रा के कार्यकाल विस्तार के फैसले को चुनौती दी थी। बुधवार को ठाकुर की अर्जी को चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, हिमा कोहली और जेबी पारदीवाला की बेंच के समक्ष पेश किया गया। जजों ने इस पर कोई आदेश नहीं दिया, लेकिन मौखिक तौर पर कहा कि 18 नवंबर को इस पर सुनवाई की जाएगी। केंद्र सरकार ने इस अर्जी को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। केंद्र सरकार के वकीलों ने अर्जी को खारिज करने की मांग करते हुए कहा कि जया ठाकुर एक राजनीतिक दल से जुड़ी हैं, जिसके नेताओं पर ईडी की ओर से कार्रवाई की गई है। वित्त मंत्रालय की ओर से एक एफिडेविट में इसी सितंबर में विस्तार को लेकर कहा था कि किसी नए व्यक्ति के लिए आते ही संगठन के कामकाज को समझना आसान नहीं होता। मंत्रालय का कहना है कि ईडी जैसे संस्थाओं के निदेशकों के कार्यकाल में 2 से 5 साल तक का विस्तार संगठन के कामकाज के लिहाज से जरूरी है। इसके अलावा ऐसे कई मामले होते हैं, जो अहम मोड़ पर होते हैं। ऐसे में उन्हें अंजाम तक पहुंचाने के लिए उस अधिकारी का बने रहना फायदेमंद हो सकता है, जिसके दौर में वे मामले दर्ज किए गए हों।

कर्ज तले दबा परिवार नहीं झेल पाया प्रताड़ना, जहर पीने से 5 लोगों की मौत; बेटी की हालत गंभीर

नवादा। बिहार के नवादा से सामूहिक आत्महत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आदर्श सोसायटी में एक ही परिवार के 6 लोगों ने जहर पी लिया, जिनमें से पांच लोगों की मौत हो गई। एक लड़की की हालत गंभीर है, उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि परिवार कर्ज में डूबा था और वसूली की प्रताड़ना से परेशान होकर जहर खा लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक परिवार के मुखिया की पहचान केदारनाथ गुप्ता के रूप में हुई है। वह मूलरूप से रजौली का रहने वाला था और अपने परिवार के साथ नवादा शहर के न्यू एरिया में किराये के मकान में रह रहा था। केदारनाथ

गुप्ता नवादा के विजय बाजार में फल की दुकान चलाता था। उसी के सिलसिले में उसने कुछ लोगों से कर्ज लिया था जिसे वह चुका नहीं पाया।

बताया जा रहा है कि कर्जदाता केदारनाथ गुप्ता पर पैसा चुकाने का दबाव बना रहे थे। परिवार के अन्य सदस्यों को भी प्रताड़ित किया जा रहा था। इसी से तंग आकर पूरे परिवार ने सामूहिक रूप से यह खौफनाक कदम उठाया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक मरने वालों में केदारनाथ गुप्ता, उसकी पत्नी अनिता और तीन बच्चे शामिल हैं। इन्होंने अपने घर के बजाय वहां से दूर आदर्श सोसायटी इलाके में जाकर सुसाइड किया। दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ा। एक बेटी की हालत गंभीर है। उसने बताया कि कर्ज देने वाले लोग उन्हें परेशान कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि अभी मामले की जांच चल रही है।

बद्रीनाथ धाम में जोरदार हिमपात, निचले इलाकों में भी कड़ाके की सर्दी शुरू

बद्रीनाथ/जोशीमठ। बद्रीनाथ धाम में एकबार फिर मौसम ने करवट बदली है। जोरदार हिमपात के बाद कड़ाके की ठंड बढ़ गई है। बद्रीनाथ धाम सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बीती रात्रि से मौसम ने करवट बदलना शुरू कर दिया, सुबह होते बद्रीनाथ धाम सहित नीती- माणा घाटियों में भी हिमपात शुरू हो गया। बद्रीनाथ धाम में हिमपात के साथ कड़ाके की ठंड तो हुई लेकिन बद्रीनाथ पहुंचे तीर्थ यात्रियों ने बर्फबारी को नजदीक से देख सुखद अनुभव भी किया।

बद्रीनाथ पहुंची उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने भी बर्फबारी व कड़ाके की ठंड के बीच भगवान बद्रीविशाल के दर्शन व पूजन किए।

टीवी चैनलों को रोज दिखाने होंगे आधे घंटे लोकहित के कार्यक्रम, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। टीवी चैनलों पर कंटेंट की गुणवत्ता को लेकर सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग के नए दिशानिर्देशों में सरकार ने चैनलों के लिए रोजाना आधा घंटे का लोकहित का कार्यक्रम दिखाने की अनिवार्य व्यवस्था दी है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वीरवार को इन दिशानिर्देशों को मंजूरी दी। इनमें चैनलों के लाइसेंस नवीनीकरण और लाइव प्रसारण से जुड़ी जटिलताओं को खत्म किया गया है। पहली बार सरकार ने भारतीय टेलीपोर्ट्स को विदेशी चैनल अपलिंक करने की अनुमति भी दी है। नए दिशानिर्देशों को कैबिनेट से मिली मंजूरी के बाद सूचना प्रसारण सचिव अपूर्व चंद्रा ने इस संबंध में जानकारी दी।

30 मिनट का कार्यक्रम प्रसारित करना होगा–उन्होंने बताया कि चैनलों पर लोकहित के कार्यक्रमों का अनिवार्य प्रसारण दिशानिर्देशों में महत्वपूर्ण बदलाव है। इसके तहत स्पोर्ट्स चैनलों को छोड़ बाकी सभी टीवी चैनलों को लोकहित से जुड़े विषयों पर प्रतिदिन 30 मिनट का कार्यक्रम प्रसारित करना होगा। कार्यक्रम के कंटेट, निर्माण और प्रसारण की जिम्मेदारी चैनलों की होगी। इसमें सरकार का हस्तक्षेप नहीं होगा। अनिवार्य प्रसारण से जुड़े पहलुओं पर सूचना प्रसारण मंत्रालय चैनलों से चर्चा के बाद अलग से विस्तृत दिशानिर्देश जारी करेगा।

क्या बोले सूचना प्रसारण सचिव

सूचना प्रसारण सचिव ने कहा कि चैनलों के प्रसारण से जुड़ी जटिलताओं को खत्म कर कारोबार को सुगम बनाने के प्रयासों के तहत सरकार ने यह कदम उठाया है। अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग दिशानिर्देश 2011 में आखिरी बार तय हुए थे। नए दिशानिर्देश भारत में पंजीकृत कंपनियों तथा एलएलपी को टीवी चैनलों की अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग, टेलीपोर्ट्स हब की स्थापना, डिजिटल सेटेलाइट न्यूज गैदरिंग (डीएसएनजी), सेटेलाइट न्यूज गैदरिंग (एसएनजी), इलेक्ट्रानिक न्यूज गैदरिंग (ईएनजी) सिस्टम और देश की समाचार एजेंसियों द्वारा अपलिंकिंग और सीधे प्रसारण की अनुमति हासिल करने की प्रक्रिया को आसान बनाएंगे। कार्यक्रमों के सीधे प्रसारण के लिए पूर्व अनुमति की जरूरत नहीं होगी।

सिंगापुर से अपलिंक होते हैं ज्यादातर चैनल–चंद्रा ने कहा कि नई नीति का अहम पहलू यह भी है कि भारतीय टेलीपोर्ट्स विदेशी चैनलों को अपलिंक कर सकते हैं और इसके जरिये विदेशी मुद्रा कमाई जा सकती है। अभी ज्यादातर चैनल सिंगापुर से अपलिंक होते हैं। अभी सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पास रजिस्टर्ड 897 चैनलों में से मात्र 30 की ही अपलिंकिंग यहां से होती है। चैनलों को कंपनी के निदेशकों में बदलाव के कारण आने वाली परेशानी से भी राहत दी गई है। किसी कंपनी या एलएलपी में दो निदेशक-साझेदार हैं, तो आपात स्थिति में एक निदेशक-साझेदार को बदला जा सकता है। इस बदलाव के बाद गृह मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी ली जा सकती है।

कोयंबटूर कार ब्लास्ट में एनआईए की छापेमारी, चेन्नई समेत 45 ठिकानों पर ली तलाशी

नई दिल्ली। तमिलनाडु के कोयंबटूर कार ब्लास्ट केस में टेरर फंडिंग को लेकर एनआईए की टीम गुरुवार को तमिलनाडु में छापेमारी कर रही है। एनआईए की टीम राजधानी चेन्नई समेत 45 ठिकानों पर तलाशी ले रही है। इनमें कोयंबटूर में स्थित 21 ठिकाने भी शामिल हैं।

एनआईए के अधिकारियों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर गुरुवार तड़के कोट्टामेडु, पोनविझा नगर, रथिनापुरी और उक्कदम जैसे इलाकों संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी शुरू की।

कार ब्लास्ट में हुई थी जमेशा मुबीन की मौत

गौरतलब है कि 23 अक्टूबर को संगमेश्वर मंदिर के सामने एक कार में एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट हुआ था। इस धमाके में 25 वर्षीय शख्स जमेशा मुबीन की मौत हो गई थी। पुलिस के मुताबिक, इंजीनियरिंग से ग्रेजुएट मुबीन से एनआईए अधिकारियों ने 2019 में कथित आतंकी लिंक के सिलसिले में पूछताछ की थी। उसका नाम मामले में मुख्य आरोपी के तौर पर है।

मुबीन के घर से विस्फोटक बरामद

पुलिस ने कार धमाका मामले में उक्कदम में मुबीन के घर से विस्फोटक बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को जब्त किया था। पुलिस

ने 75 किलोग्राम पोटेशियम नाइट्रेट, चारकोल, एल्यूमीनियम पाउडर और सल्फर जब्त किया था।

NIA कर रही मामले की जांच

केंद्रीय जांच एजेंसी ने 15 दिन पहले गृह मंत्रालय की काउंटर टेररिज्म एंड काउंटर रेडिकलाइजेशन (सीटीसीआर) डिवीजन द्वारा जांच का आदेश जारी होने के बाद केस दर्ज किया था। राज्य के सीएम एमके स्टालिन द्वारा मामले की जांच एनआईए से कराए जाने की सिफारिश के एक दिन बाद ही गृह मंत्रालय की ओर से आदेश जारी हुआ था।

आरोपियों पर लगा UAPA

तमिलनाडु पुलिस अभी तक मामले में 6 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम लगाया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी जमीशा मुबीन के साथी माने जा रहे हैं। मोहम्मद थलका, मोहम्मद असरुद्दीन, मुहम्मद रियाज, फिरोज इस्माइल, मोहम्मद नवाज इस्माइल और अफसर खान शामिल हैं। अफसर खान मृतक मुबीन का चचेरा भाई है। अफसर को एसआईटी ने विस्फोट से दो दिन पहले ही गिरफ्तार किया था।

सार समाचार

महाराष्ट्र- फोन हैक कर बैंक खातों से निकाले 99.50 लाख रूपये

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे में एक व्यापारी का मोबाइल कथित रूप से हैक कर उसके बैंक खातों से 99.50 लाख रुपये निकाल लिए। वागले एस्टेट थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह कथित घटना 6-7 नवंबर के बीच हुई तथा नेट बैंकिंग के मार्फत उसके बैंक खातों से उक्त रकम अन्य खातों में अंतरित कर ली गयी। उन्होंने कहा कि भारतीय दंड संहिता एवं सूचना प्रौद्योगिकी कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है तथा आरोपी की धरपकड़ की कोशिश चल रही है।

मुंबई में फिर आंतकी हमले का अलर्ट, ड्रोन और छोटे एयरप्लेन से कर सकते हैं हमला

मुंबई । मुंबई में फिर से आतंकी हमले का खतरा मंडराने लगा है। मुंबई में आतंकी हमले को लेकर अलर्ट जारी हुआ है, जिसमें कहा गया है कि ये आतंकी ड्रोन और छोटे एयरप्लेन से मुंबई में आतंकी हमले को अंजाम दे सकते हैं। इस इनपुट के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से अलर्ट हो गई हैं और बहुत सारी गतिविधियों पर पाबंदी लगा दी गई है। मुंबई में रिमोट कंट्रोल एयरक्राफ्ट से भी हमले का अलर्ट है। इतना ही नहीं, मुंबई में केवल प्रमुख जगह ही आतंकियों के टारगेट पर नहीं हैं, बल्कि कहा जा रहा है कि आतंकवादी वीवीआईपी को भी निशाना बना सकते हैं। फिलहाल, मुंबई में ड्रोन के उड़ाने पर पाबंदी लगा दी गई है। मुंबई पुलिस द्वारा जारी आदेश में साफ कहा गया है कि अगर कोई भी इन नियमों का उल्लंघन करता है तब उस आईपीसी की धारा 188 के तहत सजा मिलेगी। ग्रेटर मुंबई पुलिस कमिश्नर की ओर से जारी आदेश में कहा गया है, कि आतंकवादी और राष्ट्र विरोधी तत्व ड्रोन, रिमोट कंट्रोल्ड माइक्रो लाइट एयरक्राफ्ट, पाराग्राइडर्स का इस्तेमाल कर हमला कर सकते हैं और वीवीआईपी को भी टारगेट कर सकते हैं। इस कारण प्राइवेट हेलीकॉप्टर्स से लेकर हॉट एयर बैलून सहित इन सभी चीजों के इस्तेमाल पर अगले 30 दिनों तक पाबंदी लगा दी गई है। इस दौरान केवल मुंबई पुलिस ही एरियल सर्विलांस कर सकती है। यह आदेश 13 नवंबर से 12 दिसंबर तक प्रभावी रहेगा।

भगौड़े कारोबारी नीरव के पास कई विकल्प, भारत आने में लग सकता हैं वक्त

नई दिल्ली। भगौड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी ब्रिटेन की एक अदालत में भारत के खिलाफ बड़ी कानूनी लड़ाई हार गया। नीरव ने भारत में अपने प्रत्यर्पण को रोकने की कोशिश कर लंदन की अदालत का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन कोर्ट ने उसके केस को खारिज कर दिया। लंदन उच्च न्यायालय ने नीरव मोदी की मानसिक सेहत के आधार पर प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील को खारिज कर दी। न्यायालय ने व्यवस्था दी कि नीरव के आत्महत्या करने का जोखिम ऐसा नहीं है कि उसे धोखाधड़ी और धनशोधन के आरोपों का सामना करने के लिए भारत प्रत्यर्पित करना अनुचित और दमनकारी होगा। अदालत में अपील हारने के बाद नीरव मोदी के भारत में प्रत्यर्पण का रास्ता लगभग साफ हो गया है। फैसले में माना गया है कि मुंबई की जिस आर्थर रोड जेल की बैरक 12 में प्रत्यर्पण के बाद हीरा कारोबारी को रखा जाना है उसमें सुरक्षा उपाय किए गए हैं। हालांकि इस जेल की बैरक नंबर 12 को नीरव मोदी के आने का थोड़ा इंतजार करना होगा। फिलहाल वह अभी लंदन की

वैंड्सवर्थ जेल में बंद है। लंदन कोर्ट से झटका मिलने के बाद नीरव मोदी 14 दिनों के भीतर यूके के सर्वोच्च न्यायालय का रुख कर सकता है। हालांकि इसके लिए उस उच्च न्यायालय की सहमत चाहिए होगी। अगर उच्च न्यायालय को लगेगा कि नीरव मोदी के मामले में आम सार्वजनिक महत्व का कानून शामिल है, तब वह नीरव को सुप्रीम कोर्ट जाने की इजाजत दे सकता है। इसके अलावा उसके पास एक और विकल्प मौजूद है। नीरव मानवाधिकार के यूरोपीय न्यायालय से संपर्क करने का विकल्प भी चुन सकता है। अंततः ब्रिटेन की अदालतों में सारे विकल्पों के समाप्त होने के बाद नीरव अब भी ईसीएचआर के तथाकथित नियम 39 के तहत आदेश की मांग कर सकता है। इस तरह नीरव को भारत वापस लाने की प्रक्रिया में अभी थोड़ा समय लग सकता है। नीरव मोदी के वकीलों ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अपील की किसी तरह की योजना पर अभी कोई टिप्पणी नहीं की है।

ज्ञानवापी काशी विश्वनाथ मामले में आज होगा पीठ का गठन, सीजेआई ने कहा

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ज्ञानवापी काशी विश्वनाथ मामले की सुनवाई के लिए शुक्रवार को पीठ का गठन करेगा। दरअसल हिन्दू पक्ष ने ज्ञानवापी परिसर में बंद तहखानों का ताला खुलवाकर सर्वे कराने की मांग की है। हिन्दु पक्ष का दावा है कि वहां 'शिवलिंग' मिला है। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन के प्रतिवेदन पर गुरुवार को गौर कर कहा कि मामले में दिया संरक्षण का आदेश 12 नवंबर को समाप्त हो रहा है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम आज (शुक्रवार को) दोपहर तीन बजे एक पीठ का गठन करने वाले हैं। शीर्ष अदालत ने 17 मई को एक अंतरिम आदेश पारित करते हुए वाराणसी के जिला मजिस्ट्रेट को ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी परिसर के अंदर के क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था, जहां कथित 'शिवलिंग' मिला हैं। वहीं मुसलमानों को नमाज अदा करने की अनुमति दी थी।

बिहार में कर्ज के बोझ से दबे एक परिवार ने खाया जहर, पांच की मौत

- एक की हालत गंभीर, डॉक्टरों ने पावापुरी विंस से पटना रेफर किया

नवादा । बिहार में नवादा नगर थाना क्षेत्र के न्यू एरिया मोहल्ला निवासी केदार लाल गुप्ता ने बुधवार की देर रात पत्नी और 4 बच्चे समेत जहर खा लिया। परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। वहीं एक की हालत गंभीर बनी हुई है, जिसे डॉक्टरों ने पावापुरी विंस रेफर कर दिया था, लेकिन वहां से वापस उसे पटना रेफर कर दिया गया है। मरने वालों में से घर के मुखिया केदार लाल गुप्ता, पत्नी अनिता कुमारी और तीन बच्चे प्रिंस कुमार, शबनम कुमारी और गुड़िया कुमारी शामिल हैं। जबकि एक बेटी साक्षी की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे पहले पावापुरी विंस रेफर किया गया था, लेकिन फिर नवादा जिला अस्पताल भेज दिया गया है। वहां भी हालत गंभीर देखते हुए साक्षी को अब पटना रेफर किया गया है। केदार लाल गुप्ता शहर के विजय बाजार में फल दुकान चलाते थे और उन पर काफी कर्ज था। कर्ज को लेकर उन्हें काफी प्रताड़ित किया जा रहा था, जिससे तंग आकर शहर की एक मजार के पास जाकर सभी ने जहर खा लिया। मौके पर ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई, जबकि एक लड़की की हालत गंभीर थी। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहर खाने की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई थी। इस दौरान परिवार के मुखिया केदार लाल गुप्ता की हालत थोड़ी सही थी। उनसे जब पूछा गया कि जहर क्यों खाया? तो केदार लाल गुप्ता ने कहा कि परिवार पर 10-12 लाख रुपए का कर्ज था, परिवार ने राजी खुशी होकर जहर खा लिया। इसके बाद केदार लाल गुप्ता को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई. जहर खाने से पहले केदार लाल गुप्ता के बेटे प्रिंस ने एक वीडियो भी बनाया था। इस वीडियो में वह कहता है, बाजार से कुछ लोगों से कर्ज लिया था और वह हम लोगों को काफी प्रताड़ित कर रहे थे, हम लोगों ने पैसा वापस करने को लेकर थोड़ा समय मांगा, लेकिन लोग मानने को तैयार नहीं थे और बार-बार धमकी दे रहे थे, जिसको लेकर सबने जहर खा लिया। वहीं साक्षी ने बताया कि पापा डिप्रेशन में चल रहे थे, उन्होंने कर्ज ले लिया था, हमें नहीं पता था। कर्ज किससे लिया? इस सवाल के जवाब में साक्षी ने किसी मनीष भइया का नाम लिया। खैर पुलिस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं और जांच करने की बात कह रही है।

दिल्ली, यूपी, राजस्थान समेत कई राज्यों में हो सकती है बारिश, मौसम विभाग का अलर्ट

नई दिल्ली। देश में राजधानी दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में फिर से मौसम बदलने जा रहा है। मौसम विभाग की ओर से कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली, यूपी, राजस्थान समेत कई राज्यों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग की ओर से दक्षिण के राज्यों के लिए भी अलर्ट जारी किया गया है। अनेक स्थानों पर गुरुवार से ही मौसम में बदलाव आएगा और इससे ठंड बढ़ सकती है। पश्चिमी विक्षोभ का असर दिखना शुरू हो गया है जिससे कई राज्यों में मौसम बदल गया। बारिश के साथ गुलाबी ठंड शुरू होगी, लेकिन तापमान खास गिरावट नवंबर महीने में नहीं देखने को मिलेगी।

यूपी में कोहरे का असर दिखना शुरू हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी यूपी में गरज के साथ गुरुवार और शुक्रवार को हल्की बारिश होने का अनुमान है। लखनऊ समेत दूसरे कई शहरों में कोहरे की चादर देखने को मिल सकती है। बिहार में सुबह और शाम वाली ठंड की शुरुआत होगी। मौसम विभाग के अनुसार तापमान में 3 से 4 डिग्री की गिरावट आएगी 15 नवंबर के बाद तापमान में और कमी आएगी।

सूचना युद्ध कौशल में राजनीतिक स्थिरता को खतरा पहुंचाने की क्षमता: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ऐसी विश्व व्यवस्था में यकीन नहीं रखता है, जहां कुछ देशों को दूसरों से श्रेष्ठ माना जाता है। उन्होंने कहा कि अगर सुरक्षा वास्तव में सामूहिक उद्यम बन जाती है, तब सभी के लिए फायदेमंद वैश्विक व्यवस्था बनाने की संभावना तलाशी जा सकती है। राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय में सिंह ने साइबर युद्ध कौशल को लेकर आगाह कर कहा कि इससे अहम बुनियादी ढांचों की भेद्यता बढ़ गई है।

सिंह ने कहा, मैं आपको बताना चाहता हूं, कि हमारी सामरिक नीति का आचरण नैतिक होना चाहिए। भारत ऐसी व्यवस्था में यकीन नहीं रखता है जहां कुछ देशों को दूसरों से श्रेष्ठ माना जाता है। उन्होंने कहा, भारत के कृत्य मानवीय समानता और प्रतिष्ठा के मूल सार द्वारा निर्देशित हैं जो हमारे प्राचीन मूल्यों तथा उसके मजबूत नैतिक आधार का हिस्सा है और हमें राजनीतिक शक्ति देते हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर सुरक्षा वाकई सामूहिक उद्यम बन जाती है, तब हम ऐसी वैश्विक व्यवस्था बनाने के बारे में सोच सकते हैं जो हम सभी के लिए फायदेमंद हो। उन्होंने कहा कि बिजली उत्पादन और वितरण जैसे अहम ढांचे तेजी से अधिक जटिल बन रहे हैं तथा ऐसी चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपटने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र साइबर हमलों के मुख्य निशानों में से एक है, लेकिन यह इकलौता नहीं है। उन्होंने कहा कि परिवहन, सार्वजनिक क्षेत्र की सेवाएं, दूरसंचार तथा अहम विनिर्माण उद्योग भी कमजोर हैं।

उन्होंने कहा, हमें संकीर्ण स्वार्थों के अनुसार नहीं चलना चाहिए, जो दीर्घकाल में फायदेमंद नहीं है। रक्षा मंत्री ने कहा कि दूसरों को नुकसान पहुंचाकर मजबूत तथा समृद्ध भारत नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने कहा, 'इसके बजाय भारत दूसरे राष्ट्रों को अपनी क्षमता का अहसास कराने में मदद करता है। उन्होंने कहा, हमारी एक-दूसरे से जुड़ी वित्तीय प्रणालियां भी खतरे में हैं। आप सभी को पता होना चाहिए कि फरवरी 2016 में हैकरों ने बांग्लादेश के सेंट्रल बैंक को निशाना बनाया और एक अरब डॉलर चुराने की कोशिश की थी। हालांकि, ज्यादातर लेनदेन रोक दिए गए लेकिन 10.1 करोड़ डॉलर अब भी गायब हैं।''

सिंह ने कहा, यह वित्तीय दुनिया के लिए खतरे की घंटी है, कि वित्तीय प्रणाली में साइबर जोखिमों को बहुत कम आंका गया है। अगर आज यह सवाल नहीं है कि प्रमुख साइबर हमला वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा नहीं है, तब फिर कब यह सवाल बनेगा।''सिंह ने बताया कि सूचना युद्ध कौशल में राजनीतिक स्थिरता को खतरा पहुंचाने की क्षमता है। उन्होंने कहा, ''इसका कोई हिसाब नहीं है कि सोशल मीडिया मंचों के जरिए समाज में फर्जी खबरें तथा घृणा फैलाने वाली कितनी सामग्री लाए जाने की आशंका है।

पूर्वोत्तर में रेल नेटवर्क को मजबूत करने में लगा भारत, चीनी सीमा तक बिछाई जाएंगी पटरियां

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल नेटवर्क को मजबूत करने के लिए, भारतीय रेलवे ने पड़ोसी देश भूटान को जोड़ने के अलावा अरुणाचल प्रदेश, सभी राज्यों की राजधानियों में चीन की सीमा तक रेलवे ट्रैक बिछाने की योजना बनाई है। भारतीय रेलवे चीन की सीमा पर भालुकपोंग से तवांग और सिलपाथर से अलॉन्ग वाया बामे तक रेलवे लाइनों का निर्माण करेगी, जो एक बार तैयार होने के बाद सामरिक महत्व की होगी क्योंकि यह कम से कम समय में सीमावर्ती क्षेत्रों को जोड़ेगी। रेल मंत्रालय के अनुसार, अंतिम स्थान सर्वेक्षण अरुणाचल प्रदेश में इन नई रेलवे परियोजनाओं में से एक पूरे जोरों पर है।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सब्यसाची डे ने एएनआई को बताया कि एनएफ रेलवे ने अरुणाचल प्रदेश सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में कुछ और नई रेलवे परियोजनाओं के निर्माण की योजना बनाई है। सब्यसाची डे ने कहा, 'हमने भालुकपोंग से तवांग, सिलापाथर से अलॉन्ग वाया बामे तक एक नई रेलवे लाइन बनाने और मुरकोंगसेलेक से पासीघाट तक रेलवे लाइन का विस्तार करने की योजना बनाई है।

सब्यसाची डे ने कहा, हमने भालुकपोंग से तवांग, सिलापाथर से अलॉन्ग वाया बामे तक एक नई रेलवे लाइन बनाने और मुरकोंगसेलेक से पासीघाट तक रेलवे लाइन का विस्तार करने की योजना बनाई है। डे ने आगे कहा कि इनके अलावा, वह लंका से असम में चंद्रनाथपुर तक दूसरी रेलवे लाइन बनाने की योजना बना रहा है जो असम के दीमा हसाओ जिले के पहाड़ी खंड में बाईपास होगा।

चुनाव के मद्देनजर दो बड़ी परियोजनाएं महाराष्ट्र की जगह गुजरात को दे दी : राहुल गांधी

नांदेड़ (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर नोटबंदी करके आर्थिक सुनामी लाने का आरोप लगाया। 'भारत जोड़ो यात्रा के 63वें दिन नांदेड़ जिले में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि टाटा-एयरबस सैन्य विमान परियोजना और वेदांता-फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर संयंत्र जैसी परियोजनाओं को महाराष्ट्र से छीनकर चुनाव के मद्देनजर पड़ोसी राज्य गुजरात को दे दिया गया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, ये परियोजनाएं दो-तीन उद्योगपतियों को दी जाएगी जो प्रधानमंत्री के दोस्त हैं, और देश की संपत्ति उनके हाथों में जमा हो रही है। बंदरगाह, बुनियादी ढांचा, दूरसंचार, कृषि क्षेत्र इन लोगों को दे दिए गए हैं। दिन के दौरान स्थानीय लोगों के साथ अपनी मुलाकातों का जिक्र कर राहुल ने कहा कि एक युवा लड़के ने उन्हें देश में व्यावहारिक शिक्षा की कमी के बारे में बताया, जिसके कारण नौकरी के अवसर नहीं हैं, जबकि एक छोटी लड़की ने उनसे कहा कि उसके माता-पिता उससे ज्यादा उसके भाई को प्यार करते हैं।

उन्होंने कहा, लैंगिक भेदभाव अच्छा नहीं है, और जो देश महिलाओं का सम्मान नहीं करता, वह प्रगति नहीं करता। युवा लड़का जो समझता है, वह शिक्षा मंत्रालय के शीर्ष नौकरशाह नहीं समझ पाते। कांग्रेस नेता ने दावा किया, संसद में, यदि आप चीन, नोटबंदी जैसे मुद्दे उठाते हैं, तब आपका माइक बंद हो जाता है। राहुल गांधी ने अग्निपथ योजना का जिक्र कर कहा कि देश के युवा देश की सेवा के लिए सेना में भर्ती होना चाहते हैं, लेकिन मोदी सरकार ने उन्हें देश की सेवा करने के लिए चार साल दिए हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा, चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया है, लेकिन प्रधानमंत्री इससे इनकार करते हैं। तब फिर दोनों सेनाओं के बीच बातचीत क्यों हो रही है। इससे पहले, दोपहर में गांधी ने विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों के साथ बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि नोटबंदी न केवल एक गलती बल्कि सत्ता और पैसा कुछ लोगों की जेब में रखने की भाजपा की रणनीति का भी हिस्सा थी।

वायु प्रदूषण को लेकर दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण रोकने के लिए पराली जलाने के संबंध में नए दिशानिर्देश जारी करने की मांग वाली जनहित याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया।

प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हिमा कोहली तथा न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की पीठ ने जनहित याचिका दायर करने वाले वकील शशांक शेखर झा से पूछा कि क्या केवल पराली जलाने पर रोक लगाने से वायु प्रदूषण पर नियंत्रण होगा। सीजेआई ने झा से कहा, दिल्ली के प्रदूषण के लिए आपकी ओर से समाधान क्या है। पराली जलाने से प्रदूषण होने की बात पर पीठ ने कहा, तब हम इस पर प्रतिबंध लगा दें? क्या इससे रुक जाएगा? क्या हम इस हर किसान पर लागू करें? कुछ उचित समाधान सोचिए। कुछ चीजें हैं जिनमें अदालतें कुछ कर सकती हैं और कुछ चीजों में अदालतें नहीं कर सकतीं। हम न्यायिक पहलुओं को देखने के लिए हैं। उन्होंने कहा, हमने आपकी सारी बात सुनी है और इस अभी नहीं लिया जाएगा।''जनहित याचिका में स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी तथा निजी दफ्तरों में ऑनलाइन कामकाज का निर्देश देने का अनुरोध भी किया गया था। वकील ने आरोप लगाया कि हर साल प्रदूषण की समस्या आती है और दिल्ली-एनसीआर में धुएं और धुंध के कारण जीवन को गंभीर खतरा है।

जेल से बाहर आकर बदले राऊत के सुर, कहा पीएम और गृहमंत्री से मिलने जाऊंगा

मुंबई (एजेंसी)।

पीएमएलए कोर्ट से जमानत मिलने के बाद शिवसेना नेता और सांसद संजय राउत को कल जेल से रिहा किया गया। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के 102 दिन बाद राउत को रिहा किया गया था। संजय राउत के जेल से बाहर आते ही शिवसैनिकों ने उनका स्वागत किया। राउत इसके बाद सिद्धिविनायक मंदिर गए और बाद में शिवाजी पार्क में शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे का अभिवादन किया। उसके बाद गुरुवार को दूसरे दिन जानकारी सामने आई है, कि वह राकांपा अध्यक्ष शरद पवार से मिलने सिल्वर ओक स्थित आवास पर जाएंगे।

राउत ने कहा कि जिन लोगों ने ये साजिश रची थी, अगर उन्हें आनंद मिला होगा तो मैं इसमें उनका सहभागी हूं। मेरे मन में किसी के लिए कोई शिकायत नहीं है। मैं पूरी व्यवस्था को या फिर किसी केंद्रीय एजेंसी को दोष नहीं दूंगा। महाराष्ट्र में नई सरकार बनी है। सरकार ने कुछ निर्णय अच्छे लिए हैं, मैं उनका स्वागत करूंगा। मैं आज उद्धव ठाकरे और शरद पवार से मिलूंगा। कुछ दिनों में राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी मुलाकात करूंगा। मैं दिल्ली में जाकर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से भी मिलूंगा।

राउत और शरद पवार के बीच राजनीतिक नजदीकियां जगजाहिर हैं। 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद, शिवसेना ने भाजपा के साथ गठबंधन तोड़ दिया और कांग्रेस-राष्ट्रवादियों के साथ महा विकास अघाड़ी का गठन किया। राज्य में इस ऐतिहासिक प्रयोग के सूत्रधार पवार और राउत थे।

प्रियंका का मोदी पर पलटवार: सब जानते हैं किसने स्थिर सरकारें दीं, किसने विधायक खरीदकर सरकारें गिराईं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर परोक्ष रूप से पलटवार करते हुए कहा कि सबको पता है कि आजादी के बाद किसने स्थिर सरकारें दीं और किसने ''विधायक खरीदकर'' सरकारें गिराई हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के अंतिम दिन अपनी आखिरी चुनावी सभा में लोगों का आह्वान किया कि सोच-समझकर वोट करें और किसी की बातों से गुमराह नहीं हों। प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री का नाम लिए बगैर कहा, ''भाजपा के बड़े नेताओं ने कहा कि कांग्रेस आपको स्थिर सरकार नहीं दे सकती। आजादी के बाद स्थिर सरकारें किसने दीं और किसने अस्थिरता फैलाई? पैसे से विधायकों को खरीदकर सरकारों को गिराने वाले कौन हैं?''

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को राज्य में एक चुनावी सभा में कहा था कि कांग्रेस स्थिर सरकार नहीं दे सकती है। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस यदि राज्य में सरकार बनाती है तो केवल विकास को बाधित ही करेगी। प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री के एक और बयान का हवाला देते हुए कहा, ''आपसे कहा जाता है कि दवाई बदलेंगे तो मरीज ठीक नहीं होगा। ऐसे लगता है कि हिमाचल प्रदेश बीमार है। यह सब फिजूल की बाते हैं। आप सब जानते हैं।'' उनका कहना था, ''इस मंच से आपसे कोई भी कुछ भी कह सकता है। आज की राजनीति में देख रहे हैं कि पैसे और झूठ का बोलबोला है। नेता कुछ भी वादा करते हैं। पांच साल बाद आपको पता चलता है कि कुछ नहीं हुआ है।''

प्रियंका ने कहा, ''मैं आपसे यह आग्रह करना चाहती हूं कि आप अपनी परिस्थितियों और अपने अनुभव के आधार पर वोट करिये।'' उन्होंने कहा, ''आज हिमाचल प्रदेश पर 70 हजार करोड़ रुपये का कर्ज है। आज 15 लाख नौजवान बेरोजगार हैं। आज हिमाचल प्रदेश में 63 हजार पद खाली पड़े हैं। लेकिन भाजपा सरकार ने नौकरी नहीं दी।'' उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने पर मंत्रिमंडल की पहली बैठक में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बहाल करने का फैसला होगा।

प्रियंका गांधी ने कहा, ''राजस्थान और

छत्तीसगढ़ में ओपीएस लागू है। भाजपा के लोग कहते हैं कि ओपीएस के लिए पैसे कहां से आएंगे। उनसे मैं पूछना चाहती हूं कि उद्योगपति मित्रों के कर्ज माफ करने के लिए पैसे कहां से आते हैं? '' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की नीयत ठीक नहीं है। प्रियंका गांधी ने कहा, ''मेरी दादी (इंदिरा गांधी) का आपके साथ रिश्ता है। मैं उस रिश्ते को निभा रही हूं। मैं भी यहीं की निवासी हूं। मेरे परिवार ने इस देश के लिए जान दी है। हिमाचल प्रदेश के लाखों लोगों ने भी इस देश के लिए कुर्बानी दी है।

भारत में पिछले नौ माह में 948 बार भूकंप के झटके महसूस हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में जनवरी से सिंतबर तक बीते 9 माह में 948 बार भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। क्या ये किसी बड़े खतरे की चेतावनी है? भूकंप की तीव्रता जब 4 से कम होती है, तब आमतौर पर वे महसूस नहीं होते हैं। भारत में पिछले 9 माह में 240 इसतरह के भूकंप के झटके महसूस किए गए, जो 4 तीव्रता से ज्यादा वाले थे। बीती रात को नेपाल में आए भूकंप के झटको की तीव्रता भी 4 से अधिक थी। नेपाल में इससे पहले 2015 में आए विनाशकारी भूकंप में 10 हजार से ज?यादा लोगों की मौत हो गई थी।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, मौजूद डेटा के मुताबिक, इस साल 152 स्टेशनों से 1090 बार भूकंप आने की जानकारी मिली। हालांकि, इसमें सिर्फ 948 बार इसतरह के भूकंप दर्ज हुए जो भारत और उसके आसपास देशों आए। बता दें कि एनसीएस के पास मौजूद ये डेटा इस साल जनवरी से सितंबर तक का ही है।

ऐसा अनुमान है कि भारत में इस साल अब तक आए भूकंप की संख्या 1000 के पार पहुंच गई होगी। जनवरी से सितंबर तक 948 भूकंप यानि हर महीने करीब 105 से ज्यादा भूकंप के झटके। क्या ये खतरे की घंटी है? जानकार मानते हैं कि कम तीव्रता के भूकंप से कोई खास खतरा नहीं होता है। हां, भूकंप की तीव्रता अगर ज?यादा है, तब चिंता की बात होती है। तब हमें एक अलार्म सिस्टम बनाने की जरूरत है। इससे लोगों को भूकंप आने से कुछ मिनट पहले ही जानकारी मिल जाएगी।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, भारत में आमतौर पर ज्यादा तीव्रता के भूकंप कम ही आते हैं। देश में इस साल महसूस किए गए सबसे ज्यादा तीव्रता वाले भूकंप की बात करें, तब इनमें एक बीती रात नेपाल में आया 6.3 तीव्रता का भूकंप है। वहीं, दूसरा अंडमान-निकोबार द्वीप समूह से 431 किलोमीटर दूर उत्तरी सुमात्रा में आया 6.1 तीव्रता का भूकंप था। इस भूकंप के झटकों को भारत में सबसे ज्यादा दक्षिण के राज्यों में महसूस किया गया। इसके अलावा भारत 5 से 5.9 तीव्रता के 14 भूकंप और 4 से लेकर 4.9 तक के 224 भूकंप आए।

कॉप-27 सम्मेलन में दिव्यांग लोगों को मिला अलग समूह का दर्जा

वॉशिंगटन। दिव्यांग अधिकारों पर अपना ध्यान केंद्रित करने वाले जलवायु कार्यकर्ताओं ने पिछले साल संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में एक बड़ी जीत हासिल की। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन को कॉप (सीओपी) भी कहा जाता है। कॉप-27 सम्मेलन के आयोजक संयुक्त राष्ट्र सचिवालय ने उन्हें एक अलग समूह (कॉकस) के रूप में मान्यता दी और उन्हें आधिकारिक दर्जा प्राप्त हो गया। उनका कहना है कि यह कार्यवाही में आधिकारिक रूप से शामिल होने के लिए वर्षों से किए जा रहे प्रयासों के परिणाम था। इसका इस सप्ताह और आने वाले समय में खासा असर होगा। कॉकस के किसी सदस्य को सम्मेलन के पूर्ण सत्र में उपस्थित लोगों को दिव्यांगता समावेशन के बारे में संबोधित करने का मौका मिलेगा। इसके अलावा समूह के एकत्र होने के लिए एक आधिकारिक स्थान होगा। सम्मेलन के आयोजकों तक समूह के सदस्यों की अधिक पहुंच होगी जिससे वे विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों, वार्ताकारों, दिव्यांगता अधिकार संगठनों सहित अन्य उपस्थित लोगों से आसानी से संपर्क कर सकेंगे। न्यूजीलैंड के एक दिव्यांग जलवायु कार्यकर्ता केरा शेरवुड-ओ रीगन के अनुसार इस वर्ष आयोजन स्थल पर दो बदलाव किए गए हैं, ताकि दिव्यांग लोगों को वहां पहुंचने में सहूलियत हो सके। ऐसे लोगों को जिन्हें चलने-फिरने में समस्या है, वे एक अलग पंक्ति के जरिए सम्मेलन स्थल तक जा सकते हैं। इससे उन्हें लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ता है।

दुनियाभर में हर साल 15 लाख लोगों की समय से पूर्व मृत्यु होने की वजह बन सकता है वायु प्रदूषण

वॉशिंगटन। दुनियाभर में हर साल 15 लाख लोगों की समय से पूर्व मृत्यु होने की वजह महीन प्रदूषण कण (पीएम 2.5) हो सकते हैं। एक अध्ययन में पाया गया है कि वायु प्रदूषण का कम स्तर सोच से कहीं अधिक खतरनाक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के हाल के आकलन के अनुसार, हर साल वायु प्रदूषण के बारीक कणों से लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण 42 लाख से अधिक लोगों की समय से पहले मृत्यु हो जाती है। पत्रिका 'साइंस एडवांसेज' में प्रकाशित अध्ययन से संकेत मिलता है कि प्रदूषण के इन महीन कणों के संपर्क में आने से दुनियाभर में हर साल होने वाली मौत अनुमान से कहीं अधिक हो सकती है। केवल सूक्ष्मदर्शी से देखे जा सकने वाले ये कण हृदय तथा श्वसन संबंधी बीमारियों और कैंसर की वजह हो सकते हैं। कनाडा में मैकगिल विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य अनुसंधानकर्ता स्कॉट विचेंथल ने कहा, ''हमने पाया कि बाहरी पीएम2.5 हर साल दुनियाभर में 15 लाख अतिरिक्त मौत के लिए जिम्मेदार हो सकता है।

फिर से राष्ट्रपति पद के चुनाव लड़ने पर अंतिम फैसला परिवार का: बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का कहना है कि वह 2024 में फिर से राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ना चाहते हैं, लेकिन इस संबंध में ''अंतिम फैसला परिवार करेगा। उन्होंने संकेत दिया कि फिर से चुनाव लड़ने के संबंध में फैसला क्रिसमस-नववर्ष के आसपास किया जा सकता है। बाइडन ने कहा, हमारी मंशा फिर से चुनाव लड़ने की है। इस चुनाव का परिणाम चाहे कुछ भी रहता, हमारी मंशा पहले से ही फिर चुनाव लड़ने की थी।'' उन्होंने कहा, डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रदर्शन सभी की आशाओं से बढ़कर बहुत अच्छा रहा है और यहां तक कि जॉन एफ.कैनेडी (अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति) के शासनकाल के बाद से नतीजे सबसे अच्छे रहे। इससे सभी ने राहत की सांस ली है, कि रिपब्लिकन फिर से सत्ता में नहीं लौट रहे हैं। बाइडन ने कहा, फिर से चुनाव लड़ने के संबंध में, मैं घोषणा करता हूं। मेरा विचार फिर से चुनाव लड़ने का है, लेकिन मैं किस्मत पर भरोसा करता हूं और अंतिम फैसला परिवार का होगा।'' राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें ऐसा लगता है, कि सभी चाहते हैं कि वह फिर चुनाव लड़ें। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 15 नवंबर को की जाने वाले संभावित महत्वपूर्ण घोषणा के संदर्भ में बाइडन ने कहा, हालांकि हम इसपर चर्चा करने वाले हैं।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति क्लार्क का नोबेल शांति पुरस्कार पदक चोरी

जोहानिसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति एफ.डब्ल्यू.डी. क्लार्क का नोबेल शांति पुरस्कार पदक केप टाउन स्थित उनके घर से चोरी हुआ है। उनके फाउंडेशन ने इसकी पुष्टि की। राष्ट्रपति क्लार्क को 1993 में नेल्सन मंडेला के साथ संयुक्त रूप से यह पुरस्कार दिया गया था। मंडेला 27 साल जेल की सजा काटने के बाद 1994 में देश के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने थे। लोकल मीडिया की खबरों के मुताबिक अप्रैल में क्लॉर्क के घर से पदक की चोरी हुई। वहां के एक पूर्व कर्मचारी पर चोरी का आरोप है। कुछ गहने और अन्य चीजें भी उनके घर से चोरी हुई थीं। क्लार्क जीवनभर दक्षिण अफ्रीका में एक विवादास्पद शख्स के रूप में चर्चा में बने रहे। अपनी कई टिप्पणियों के लिए उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा था कि रंगभेद मानवता के खिलाफ अपराध नहीं है। हालांकि निधन से पहले उन्होंने सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी थी। 2021 में उनका निधन हो गया था।

ग्वांगझोउ में लॉकडाउन से ग्लोबल सप्लाई चेन प्रभावित, अर्थव्यवस्था में रिस्टोर करने की रफ्तार धीमी

बीजिंग। कोरोना (कोविड-19) महामारी पर काबू पाने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन से चीन का आर्थिक शहर ग्वांगझोउ बुरी तरह प्रभावित है। इसके कारण ग्लोबल सप्लाई चेन बाधित हुई है और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में रिस्टोर करने की रफ्तार धीमी हो गई है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि जिले में सभी को कम से कम रविवार तक घर में ही रहने का आदेश दिया गया है। हर परिवार के एक सदस्य को दिन में एक बार बाहर निकलने की इजाजत दी गई है। ग्वांगझोउ के अधिकारियों का कहना है कि करीब 1.3 करोड़ आबादी वाले शहर में पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 2500 नए मामले सामने आए, जिसके बाद यह आदेश दिया गया। चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों के बाद हाल ही में दुनिया की सबसे बड़ी आईफोन फैक्ट्री के आसपास लॉकडाउन लगा दिया गया था। कोविड की वजह से फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारी भागने लगे थे। कोरोना संक्रमण को अन्य इलाकों में फैलने से रोकने के लिए चीन ने यह बड़ा कदम उठाया था।

सीआईएसए को अमेरिका की मतदान प्रणाली में हस्तक्षेप के कोई सबूत नहीं मिले

वाशिंगटन। यूएसए के मध्यावधि चुनाव में साइबर हमले के कोई संकेत नहीं मिले हैं। कुछ राज्य तथा स्थानीय सरकारों के साइबर हमले की चपेट में आने की खबर मिली और कई वेबसाइट भी पहुंच से बाहर हो गईं। अमेरिका और स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि किसी ने भी मतगणना के बुनियादी ढांचे में हस्तक्षेप नहीं किया गया। अमेरिका साइबर सिक्योरिटी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर एजेंसी (सीआईएसए) के निदेशक जेन ईस्टरली ने एक बयान में कहा, हमें किसी मतदान प्रणाली में हस्तक्षेप के कोई सबूत नहीं मिले हैं। सीआईएसए और अन्य संघीय एजेंसियों ने आगाह किया कि अमेरिकी चुनाव की सुरक्षा पहले से कहीं अधिक जटिल हो गई है। सबसे अधिक खतरा घरेलू स्रोतों से ही है। रूस, चीन और ईरान जैसे कई देशों ने अभियानों में हस्तक्षेप करने और सोशल मीडिया पर झूठी व भ्रामक खबरे फैलाने की कोशिश की है। ईस्टरली ने कहा, यह याद रखना जरूरी है कि कानूनों के आधार पर कार्रवाई करते हुए इस संपूर्ण प्रक्रिया में कई दिन या सप्ताह लग सकते हैं। इन जटिल प्रक्रियाओं के कारण ही अमेरिकी लोगों को चुनाव की सुरक्षा और अखंडता पर भरोसा है। मिसिसिपी के राज्य सचिव की वेबसाइट मंगलवार को बंद हो गई थी।

माले में भीषण आग में 10 लोगों की मौत, मृतकों में भारतीय भी शामिल

वाशिंगटन। माले में एक 'गैराज' में आग लगने से 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। इस इमारत की पहली मंजिल पर प्रवासी मजदूर रहते थे। मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई। जान गंवाने वालों में भारतीय नागरिकों के शामिल होने की भी आशंका है। भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, '' माले में आग लगने की घटना के बारे में सुनकर दुखी हैं, जिसमें कई लोगों की जान चली गई और उनमें कथित तौर पर भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। हम मालदीव के अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं।'' समाचार मंच 'सनऑनलाइन' के अनुसार, आग देर रात करीब साढ़े 12 बजे माावियो मस्जिद के पास एम. निरूफेफी में लगी। 'गैराज' भूतल पर था और प्रवासी मजदूर पहली मंजिल पर रहते थे। मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल आग एवं बचाव सेवा ने बताया कि इमारत से 28 लोगों को निकाला गया, जबकि नौ लोग अब भी लापता हैं। खबर के अनुसार, सात लोग मृत मिले, जबकि गंभीर रूप से झुलस गए दो लोगों को इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया।

दक्षिण कोरियाई समुद्री इलाके में गिरे उत्तर कोरियाई मिसाइल के टुकड़ों को रक्षा मंत्रालय ने पेश किया।

जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे राष्ट्रपति पुतिन

मास्को । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन पर अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ संभावित टकराव से बचने के लिए इंडोनेशिया में अगले सप्ताह होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेने वाले हैं। इंडोनेशियाई सरकार के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग सहित कई वैश्विक नेता 15 नवंबर से बाली में शुरू हो रहे दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में शिरकत करने वाले हैं।

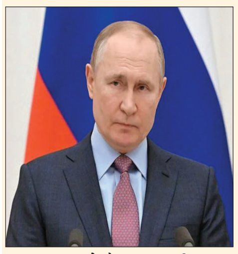

रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के बाद पहली बार बाइडन और पुतिन किसी विश्व मंच पर साथ आने वाले थे। जी-20 के 'चीफ ऑफ सपोर्ट' लुहुत बिनसर पंडजैतन ने इंडोनेशिया के देनपसार में कहा कि रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले है। उन्होंने कहा, इंडोनेशियाई सरकार रूस के फैसले का सम्मान करती है। राष्ट्रपति पुतिन ने पहले राष्ट्रपति जोको विडोडो को फोन पर इस फैसले के बाबत जानकारी दी थी।''

इमरान ने बाजवा की करतूतों पर बड़ा खुलासा किया

- बाजवा ने नवाज शरीफ को भिजवाया था जेल

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा की करतूतों पर बड़ा खुलासा किया है। इमरान खान ने एक साक्षात्कार में कहा कि पाकिस्तान के पूर्व नवाज शरीफ को सेना प्रमुख बाजवा ने जेल भिजवाया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में कई नेताओं को जेल भिजवाने वाली नैब पर सेना का पूरी तरह से कब्जा है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख नैशनल अकांउटबिलिटी ब्यूरो की मदद से भ्रष्ट नेताओं को अपने कंट्रोल में रखते हैं। पीटीआई नेता ने यह भी कहा कि यह गलत धारणा है कि आईएसआई के पूर्व चीफ जनरल फैज उनके आदमी हैं। इमरान खान ने यह भी कहा कि पाकिस्तानी सेना चुनाव में ईवीएम के इस्तेमाल का विरोध कर रही है जिससे चुनाव में धांधली कराना असंभव हो जाएगा। एक साक्षात्कार में इमरान खान ने कहा, मैं जिंदा बचकर राहत महसूस कर रहा हूं। इमरान खान ने पाकिस्तानी सेना के साथ अपने रोमांस और ब्रेकअप की पूरी कहानी बताई। उन्होंने कहा कि नैब उनके नियंत्रण में नहीं था और उस पर पूरी तरह से सेना का कब्जा था। मैं कुछ नहीं कर सकता था। वे बस मुझसे इतना कहते थे कि हम इस पर काम कर रहे हैं।

इमरान ने कहा कि बाद में उन्हें पता चला कि नैब पर सेना का कब्जा है जिसके जरिए वे भ्रष्टाचार की फाइलें बनाकर नेताओं को कंट्रोल करते थे। पीटीआई नेता ने कहा कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को जब सजा नहीं दिला पाई तब मेरा सेना के साथ मतभेद शुरू हुआ। इमरान खान का इशारा नवाज शरीफ समेत अन्य नेताओं पर था जिनके खिलाफ नैब में कई केस चल रहे हैं। इमरान खान ने कहा कि सेना के मतभेद की दूसरी वजह पंजाब के मुख्यमंत्री की पसंद को लेकर था। सेना मुझसे चाहती थी कि अलीम खान को मुख्यमंत्री बनाया जाए और मैंने ऐसा नहीं किया। इसकी वजह यह थी कि अलीम खान के खिलाफ न केवल नैब के मामले थे बल्कि उसने जमीन पर कब्जा किया था और सरकार की करोड़ों रुपये की जमीन को बेच दिया था। उन्होंने कहा कि जब तक आर्मी चीफ बाजवा ने उन्हें अलीम खान को सीएम बनाने के लिए नहीं कहा तब तक दोनों के बीच रिश्ते बढ़िया चल रहे थे। इमरान खान ने खुलासा किया कि अगर सेना प्रमुख ने दो बिग्रेडियर की मदद नहीं दी होती तो नवाज शरीफ को दोषी ठहराना संभव नहीं होता।

हार की तरफ बढ़ रहा रूस? कमांडर ने कहा- टिकना बहुत मुश्किल!

- रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने सैनिकों की वापसी की घोषणा की

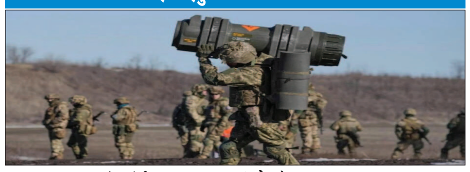

मॉस्को (एजेंसी)।

रूस और यूक्रेन के युद्ध को नौ महीने से अधिक समय बीत चुका है। अब तक यह लड़ाई यूक्रेन के पक्ष में झुकी हुई प्रतीत हो रही है। रूस ने कहा कि वह यूक्रेनी शहर खेरसॉन और उसके आसपास के कुछ इलाकों से अपनी सेना को वापस बुला रहा है। अब तक की जंग में यह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए सबसे बड़ा झटका है। रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने सैनिकों की वापसी की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में रूस की सेना के कमांडर जनरल सर्गेई सुरोविकिन की सलाह के बाद यह फैसला लिया गया है। मीडिया की खबर के अनुसार खेरसॉन को छोड़ने के बाद रूसी सैनिक शहर से निप्रो नदी के पूर्वी तट की ओर पीछे हटेंगे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि क्या सैनिकों की वापसी शुरू हो चुकी है। एक अखबार के अनुसार सुरोविकिन ने कहा कि निप्रो के बाएं तट पर बचाव करना आसान नहीं है। हम अपने सैन्य कर्मियों और अपने बलों की युद्ध क्षमता का बचाएंगे। खेरसॉन इकलौती राजधानी थी जिसे रूस ने यूक्रेन पर हमले के बाद अपने कब्जे में लिया था।

यूक्रेन से सेना की वापसी पुतिन के बड़ा शर्मनाक पल है। यह खेरसॉन ओब्लास्ट में स्थित है, जो उन चार यूक्रेनी क्षेत्रों में से एक है जिन पर रूस ने सितंबर में कब्जा कर लिया था। इस दौरान पुतिन ने खेरसॉन को रूस का हिस्सा घोषित कर दिया था। यूक्रेन और पश्चिमी देशों ने इस प्रक्रिया को अवैध करार देते हुए इसकी निंदा की थी। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने सितंबर के आखिर में कहा था कि इससे यूक्रेन और दुनिया के लिए कुछ नहीं बदलेगा। खेरसॉन उन इलाकों में से था जहां यूक्रेनी सेना रूसी कब्जे वाले क्षेत्र को वापस हासिल करने के लिए लगातार संघर्ष कर रही थी।

ट्रंप को आगामी राष्ट्रपति चुनाव की दावेदारी को लेकर घोषणा टालने की सलाह

वाशिंगटन (एजेंसी)।

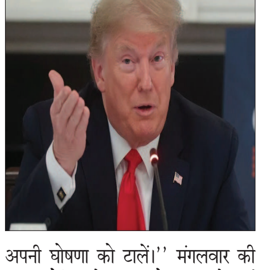

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद के आगामी चुनाव के लिए रिपब्लिकन की तरफ से उम्मीदवारी की तैयारी कर रहे हैं और ऐसे में मंगलवार को आए मध्यावधि चुनाव के बाद उनके इस संबंध में फैसले को टालने की मांग उठ रही हैं। रिपब्लिकन पार्टी के लिए मंगलवार रात आए निराशाजनक परिणाम ट्रंप की अपील और पार्टी के भविष्य को लेकर नये सवाल खड़े कर रहे हैं। ट्रंप के कुछ सहयोगी उनकी अगले सप्ताह प्रस्तावित घोषणा को टालने की सलाह दे रहे हैं और कह रहे हैं कि पार्टी का पूरा ध्यान जॉर्जिया पर होना चाहिए जहां ट्रंप समर्थित पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी हरशेल वॉकर का प्रयास डेमोक्रेटिक सीनेटर राफेल वारनॉक को हराने का है। ट्रंप के पूर्व सलाहकार जैसन मिलर ने कहा, ''मैं उन्हें सलाह दूंगा कि वह जॉर्जिया में अंतिम फैसला होने तक अपनी घोषणा को टालें।'' मंगलवार की रात फ्लोरिडा में मारालागो क्लब में पूर्व राष्ट्रपति के साथ डटे रहे मिलर ने कहा, ''इस समय देश में प्रत्येक रिपब्लिकन को जॉर्जिया पर ध्यान देने की जरूरत है।'' ट्रंप ने मध्यावधि चुनाव में 2020 में व्हाइट हाउस की दौड़ में हारने के बाद अपने राजनीतिक प्रभाव को साबित करने का प्रयास किया है।

युद्ध समाप्ति के लिए जयशंकर का संदेश सुने रूस: अमेरिका

- अमेरिका ने कहा, रूस को भारत से कूटनीति समझनी चाहिए

वाशिंगटन (एजेंसी)।

यूक्रेन संघर्ष के बीच दो दिनों की रूस यात्रा पर गए भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर पर दुनिया की नजरें लगी हुईं थीं और अब अमेरिका के विदेश विभाग की प्रतिक्रिया सामने आ गई है। प्रवक्ता नेड प्राइस ने जयशंकर की तारीफ करते हुए कहा है कि रूस को यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए भारत का संदेश सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि रूस को भारत से कूटनीति समझनी चाहिए। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच मॉस्को में हुई वार्ता पर प्रतिक्रिया देते हुए नेड प्राइस ने कहा कि बीते महीनों में भारत के विदेश मंत्रालय से हमारी कई बार बातचीत हुई है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की एस जयशंकर से मुलाकात भी हो चुकी है। नेड प्राइस ने कहा कि भारत ने फिर यह बात दोहराई है कि वह युद्ध के खिलाफ है। यही सलाह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भी दी थी और अब वही बात जयशंकर ने कही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुतिन से समरकंद में कहा था कि यह युद्ध का दौर नहीं है। नेड प्राइस ने कहा कि भारत ने यह संदेश दिया है कि वह रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध का हल बातचीत और कूटनीति के जरिए देखना पसंद करता है। यह समय युद्ध का नहीं है, ऐसे में दोनों देशों को भारत की भूमिका अहमियत समझनी चाहिए। मॉस्को में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत, रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा। ऐसे में अमेरिकी प्रवक्ता नेड प्राइस ने इसको लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि यह मामला रूस और भारत के द्विपक्षीय हितों से जुड़ा हुआ है। हालांकि सामूहिक हितों को देखते हुए भारत को रूस पर अपनी निर्भरता कम करनी चाहिए। रूस न तो ऊर्जा और न ही सुरक्षा उपकरणों की सप्लाई में विश्वसनीय है। अमेरिका ने कहा कि भारत को ऊर्जा की काफी जरूरत है और इसलिए वह रूस से ईंधन खरीद रहा है। इसमें प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं होता। उन्होंने कहा कि यह समय रूस के साथ कारोबार करने का नहीं है और जो भी उस पर निर्भर हैं उन देशों को रूस से अपने व्यापार को कम कर लेना चाहिए।

अमीर देशों ने की कोरोना वैक्सीन की जमाखोरी, इससे करीब 13 लाख लोगों की हुई अकाल मौत

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

दुनिया कितनी मतलबी और स्वार्थी है, इसका अंदाजा इसी बात से लग सकता हैं, कि कोरोना काल में पूरी दुनिया में 10 लाख से अधिक लोगों की मौत केवल वैक्सीन की जमाखोरी की वजह से हुई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कोरोना के दौरान अधिक से अधिक वैक्सीन अपने पास रखने की देशों के लालच की वजह से करीब 13 लाख लोगों की अनावश्यक मौत हुई है, जबकि अमीर देशों ने बाद में बचे हुए वैक्सीन को बर्बाद ही किया या फिर वे एक्स्पायर हुए। रिपोर्ट में कहा गया है, अगर अमीर देश वैक्सीन की दूसरे देशों के साथ शेयरिंग पर ध्यान देते तब इन मौतों का आंकड़ा कम हो सकता था और कोरोना के नए वैरिएंट भी नहीं पनपते।

नए शोध में इसका दावा किया गया है कि कोरोना वैक्सीन के मामले में कुछ देशों ने इंसान की जिंदगी से अधिक अपने फायदे को तवज्जो दी, जिसका नतीजा यह हुआ कि पूरी दुनिया में 1.3 मिलियन (करीब13 लाख) लोग अनावश्यक रूप से काल की गाल में समा गए, वहीं 300 मिलियन यानी 30 करोड़ लोग कोरोना से संक्रमित हुए। शोध में दावा किया गया है कि अमीर देशों ने कोरोना वैक्सीन की जमाखोरी की, इतना ही नहीं, उस बर्बाद होने और पूरी दुनिया में कोरोना का तांडव मचने दिया और इस तरह रोकी जाने वाली मौतों को होने दिया। इतना ही नहीं, कोरोना काल को लंबा करने और उसके सब वैरिएंट के फैलने में भी अपने फायदे के लिए अमीर देशों का योगदान है।

152 विभिन्न देशों के गणितीय मॉडल का उपयोग कर महामारी की शुरुआत से 2021 के अंत तक कोरोना वैक्सीन वितरण में अंतर को रेखांकित किया है। एक्सपर्ट टीम ने अपने शोध में पाया कि वैक्सीन के वितरण में काफी भिन्नता थी। कुछ देशों के 90 फीसदी से अधिक वयस्कों ने वैक्सीन ले लिया था, जबकि कुछ देश में महज 0.9 फीसदी लोगों को ही टीका लग पाया था। शोध में कहा गया है कि कोरोना वैक्सीन के वितरण में जरूरत से अधिक धन को तरजीह दी गई। शोध में यह स्पष्ट तौर पर पाया कि भविष्य में आवश्यकता के बजाय धन के अनुपात में वैक्सीन का वितरण सभी के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस तरह के वितरण के न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर भी गंभीर परिणाम पड़ते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान के अनुसार, दुनिया भर में अनुमानित लगभग 630 मिलियन कोरोना संक्रमण के केस आए हैं और 6.5 मिलियन से अधिक मौतें हुई हैं। डब्ल्यूएचओ की मानें तब करीब 12.8 बिलियन वैक्सीन खुराक लोगों को लगाई गई हैं, लेकिन यह कोरोना को बढ़ने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। पूरी दुनिया में कोरोना काल में वैक्सीन के लिए हाहाकार मचा था। ज्यादातर गरीब देशों में समय पर वैक्सीन इसलिए नहीं पहुंची, क्योंकि उनके पास पैसे नहीं थे।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कई देश वैक्सीन का खर्च उठाने में सक्षम नहीं थे। इतना ही नहीं, वैक्सीन प्राप्त करने की राह में बौद्धिक संपदा कानून और पेटेंट भी एक बड़ी बाधा थी, जिसकी वजह से बहुत से गरीब देशों में वैक्सीन के अभाव में लोग कोरोना से मरते गए और इससे संक्रमित होते चले गए।

संपादकीय

कोरोना संकट ने पूरी दुनिया को इस बात का अहसास कराया है कि कोई भी प्राकृतिक आपदा व महामारी अमीर-गरीब मुल्क का भेद नहीं देखती है। इसी तरह पर्यावरण संकट का असर विश्वव्यापी है और सभी विकासशील व विकसित देश इसका ताप महसूस कर रहे हैं। चक्रवात से लेकर अतिवृष्टि व अनावृष्टि का कहर पूरी दुनिया पर दिखायी दे रहा है। तमाम देशों में बारिश के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव आया है।

दुनिया बचाने का वक्त

हम न बदले तो मानव अस्तित्व पर संकट/ पूरी दुनिया को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस की उस चेतावनी को गंभीरता से लेना चाहिए, जिसमें उन्होंने कहा है कि इंसानी जीवन को बचाने के लिये अब बहुत ज्यादा वक्त नहीं बचा है। मिस्र के शर्म-अल-शेख में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन कॉप-27 में गुतारेस की उक्त टिप्पणी को गंभीर चेतावनी मानते हुए दुनिया के अमीर व गरीब मुल्कों को गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। लेकिन विडंबना यही है कि दुनिया में सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करने वाले देश अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़कर गरीब व विकासशील मुल्कों को जीवाश्म ईंधन का उपयोग बंद करने की दलीलें दे रहे हैं। कोरोना संकट ने पूरी दुनिया को इस बात का अहसास कराया है कि कोई भी प्राकृतिक आपदा व महामारी अमीर-गरीब मुल्क का भेद नहीं देखती है। इसी तरह पर्यावरण संकट का असर विश्वव्यापी है और सभी विकासशील व विकसित देश इसका ताप महसूस कर रहे हैं। चक्रवात से लेकर अतिवृष्टि व अनावृष्टि का कहर पूरी दुनिया पर दिखायी दे रहा है। तमाम देशों में बारिश के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव आया है। कुल मिलाकर यह संकट किसी देश विशेष का न होकर सारी मानवता का है। ऐसे में जरूरी है कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य बचाने के लिये हम अभी से सतर्क होकर युद्ध स्तर पर काम करें। इस बात को शर्म-अल-शेख में जुटे 100 देशों के शासनाध्यक्षों को गंभीरता से महसूस करना चाहिए। पिछले दिनों जारी आक्सफेम की रिपोर्ट ने दुनिया को इस सच से रूबरू कराया है कि दुनिया के सबसे अमीर मुल्क ही कार्बन उत्सर्जन के लिये सबसे ज्यादा जिम्मेदार हैं। जब विकसित देशों ने तमाम उद्योगों के जरिये मोटी कमाई करके प्रदूषण को खराब कर दिया है तो अब विकासशील देशों पर जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को बंद करने के लिये दबाव बनाया जा रहा है, जिससे उनके विकास का पहिया रुक जायेगा। अमेरिका, ब्रिटेन व चीन जैसे देश खूब जीवाश्म ईंधन का प्रयोग कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर पर्यावरण बचाने में जिम्मेदारी निभाने से कतराते हैं। जहां तक भारत में पर्यावरण संकट का प्रश्न है तो एक चेतावनी वाली स्थिति बन रही है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग की वह रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है, जिसमें उसके वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि उत्तर-पश्चिम हिमालय क्षेत्र के तापमान में बढ़ोतरी से हिमालय की बर्फ बेहद तीव्र गति से पिघल रही है। इससे आने वाले वर्षों में गंगा-यमुना जैसी बड़ी नदियों में पानी का प्रवाह कम हो जायेगा, जिससे करोड़ों की आबादी वाले तमाम शहरों में पेयजल तक का संकट पैदा हो सकता है। वैज्ञानिकों ने यह रिपोर्ट उत्तराखंड, हिमाचल, लद्दाख व जम्मू-कश्मीर में उपग्रहों से मिली जानकारी के आधार पर तैयार की है। दरअसल इस संकट की असली वजह यह है कि हिमालयी क्षेत्र में मानवीय हस्तक्षेप व ग्लोबल वार्मिंग के चलते ग्लेशियर लगातार सिकुड़ते जा रहे हैं। निस्संदेह इससे बर्फ की कमी कमी के चलते सदानीर नदियों में जल संकट पैदा हो जायेगा। सदियों से बहती इन जीवनदायिनी नदियों के बिना मानव अस्तित्व की कल्पना करना कठिन ही होगा। दरअसल, दशकों से पर्यावरण संकट की आहट को बताने वाले विषय विशेषज्ञों की चेतावनी को हमने गंभीरता से नहीं लिया। लेकिन जब अब संकट सामने खड़ा है तो गंभीर प्रयास करना बेहद जरूरी हो जाता है। हम खुद पर्यावरण के मिजाज में बदलाव को महसूस कर सकते हैं कि नवंबर माह का मध्य आने वाला है, घरों में पंखे बंद नहीं हुए हैं और सर्दी के कपड़े अभी नहीं निकले हैं। यदि हम इसके बावजूद नहीं जागते तो हमें चक्रवाती तूफानों, बाढ़, बादल फटने, अतिवृष्टि व अनावृष्टि जैसी चुनौतियों के लिये तैयार रहना चाहिए, जो हमारी खाद्य सुरक्षा को भी भंग कर रही हैं।

सूक्ति

मानव का मानव होना ही उसकी जीत है, दानव होना हार है, और महामानव होना चमत्कार है।
- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

शत्रु का लोहा भले ही गर्म हो जाए, पर हथौड़ा तो ठंडा रहकर ही काम, दे सकता है।
- सरदार पटेल

लॉफिंग जौन

एक कर्मचारी अपने मालिक के पास पहुंचा और बोला कि मुझे इस महीने वेतन में दो सौ रुपए कम दिए गए हैं.

'मुझे पता है. लेकिन दरअसल पिछले महीने तुम्हें दो सौ रुपए ज्यादा दे दिए गए थे और तब तुमने कोई शिकायत नहीं की थी.' मालिक ने कहा.

'दरअसल एक बार कोई गलती हो जाए, तो मै उसे माफ कर देता हूं. लेकिन अगर यही आदत बन जाती है, तो मै समझता हूं कि इसकी शिकायत जरूर की जानी चाहिए.' कर्मचारी ने जवाब दिया.

☺ ☺ ☺

अदालत में सरकारी वकील ने कहा - मी लॉर्ड, अपराधी पर इल्जाम है कि उसने अपनी पत्नी को चिड़ियाघर के गहरे तालाब मे धक्का दे दिया, जिसकी वजह से पत्नी को मगरमगछ खा गया.

जज ने गरज कर कहा - क्या अपराधी यह बात नहीं जानता था कि चिड़ियाघर में जानवरो को कुछ खिलाना मना है?

☺ ☺ ☺

नाई (पहलवान से) - अगर मैं तुम्हारे सारे बाल काट दूं तो तुम्हें कोई पहचान नहीं पाएगा.

पहलवान - मगर उसके बाद मै जो तुम्हारी हालत करुंगा तो तुम्हें भी कोई पहचान नहीं पाएगा.

☺ ☺ ☺

मिसाइल हमले रोकने का मिला रक्षा कवच

इस तरह यह शत्रु की मिसाइलों व विमानों को पृथ्वी के वायुमंडल और उसके बाहर दोनों जगहों पर डिटेक्ट करके उनको नष्ट करने में सक्षम है। निःसंदेह, सफल परीक्षण से भारत को आसमान में एक बेहतर रक्षा कवच मिल गया है। भारत इस तरह की क्षमता हासिल करने वाला संसार का चौथे नंबर का देश बन गया है। अभी तक यह क्षमता अमेरिका, रूस और इस्राइल के पास थी।

बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम/ डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव

दो नवम्बर को ओडिशा के अब्दुल कलाम द्वीप से द्वितीय चरण की बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) इंटरसेप्टर एडी-1 की पहली उड़ान का सफल परीक्षण करके भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक और विशेष उपलब्धि हासिल कर ली है। इंटरसेप्टर एडी-1 मिसाइल अलग-अलग प्रकार के लक्ष्य भेदने में सक्षम है। यह मिसाइल एक लम्बी दूरी की इंटरसेप्टर मिसाइल है। इसके परीक्षण के दौरान बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस हथियार प्रणाली की परीक्षा भी शामिल थी। इस मिसाइल को लम्बी दूरी तक मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ विमानों को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है। इससे बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा तंत्र को और अधिक मजबूती मिलेगी। निन्संदेह बीएमडी सिस्टम को दुरुस्त करने की दिशा में भारत ने विशेष कामयाबी हासिल की है। अब भारत शत्रु की बैलिस्टिक मिसाइलों और लड़ाकू विमानों को आसमान में ही उड़ा देने की क्षमता को उन्नत स्तर तक ले गया है। देखा जाए तो पाकिस्तान और चीन द्वारा बैलिस्टिक हथियार विकसित किए जाने के प्रयासों को ध्यान में रखते हुए यह भारत की अहम उपलब्धि है। इंटरसेप्टर एडी-1 को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने विकसित किया है। डीआरडीओ के साथ इसमें 40 निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियां शामिल हुईं। इस मिसाइल को शत्रु की बैलिस्टिक मिसाइलों के अलावा शत्रु के विमानों के लो एक्सो-एटमॉस्फेरिक और एंडो-एटमॉस्फेरिक इंटरसेप्शन- दोनों के लिए डिजाइन किया गया है। इस तरह यह शत्रु की मिसाइलों व विमानों को पृथ्वी के वायुमंडल और उसके बाहर दोनों जगहों पर डिटेक्ट करके उनको नष्ट करने में सक्षम है। निन्संदेह, सफल परीक्षण से भारत को आसमान में एक बेहतर रक्षा कवच मिल गया है। भारत इस तरह की क्षमता हासिल करने वाला संसार का चौथे नंबर का देश बन गया है। अभी तक यह क्षमता अमेरिका, रूस और इस्राइल के पास थी। इस प्रणाली में शत्रु की बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही पहचान कर फिर उन्हें एंटी बैलिस्टिक मिसाइल द्वारा दाग कर नष्ट कर दिया जाता है। भारत द्वारा पाकिस्तान से परमाणु हमले के खतरे को दखते हुए मल्टी लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम को बनाने का कार्य शुरू हुआ। भारत द्वारा विकसित एंटी बैलिस्टिक मिसाइल पाकिस्तान की बैलिस्टिक मिसाइल गौरी को हवा में ही मार गिराने की ताकत रखती है। यह मिसाइल सात मीटर लम्बी है। ये मिसाइलें 2000 किलोमीटर से अधिक दूर से आती हुई शत्रु की बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराने के लिए विकसित की गई हैं। दरअसल, हमलावर मिसाइल को जमीन पर गिरने से पहले उड़ान के दौरान आसमान में ही नष्ट कर देने वाली मिसाइल को इंटरसेप्टर मिसाइल कहा जाता है। दुश्मन की आक्रामक मिसाइलों के खतरे से निपटने के लिए अभेद्य कवच विकसित करने के प्रयास सने् 1999 में प्रारम्भ कर दिए गए थे। इस कवायद का परिणाम सने् 2006 में तब सामने आया जब 27 नवम्बर को इसका प्रथम सफल परीक्षण किया गया। इसके बाद 6 दिसम्बर, 2007 एवं 6 मार्च, 2009 को इसके दूसरे व तीसरे सफल परीक्षण हुए। भारत ने सबसे पहले 22 नवम्बर, 2015 को स्वदेश में विकसित सुपरसोनिक इंटरसेप्टर मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया था। इसके बाद भारत द्वारा 11 फरवरी, 2017 को स्वदेश में बनी इंटरसेप्टर मिसाइल का परीक्षण किया गया। वास्तव में बहुस्तरीय बैलिस्टिक मिसाइल रक्षातंत्र को विकसित किए जाने की दिशा में इस मिसाइल का निर्माण किया गया है। एंडो एक्समोफोरिक (तकरीबन 30 किलोमीटर की ऊंचाई) के लिए बनाई गई यह मिसाइल रॉकेट से चलती है। इंटरसेप्टर मिसाइल के पास अपना मोबाइल लांचर होता है। इसके अलावा इंटरसेप्शन के लिए सुरक्षित डेटा लिंक जैसी सहूलियतें भी मौजूद रहती हैं। इंटरसेप्टर मिसाइल परीक्षण से चीन की चिंता बढ़ गई है और उसने अपना जासूसी पोत हिन्द महासागर में भेज दिया है। साफ तौर पर माना जा रहा है कि चीन की इस चालबाजी की वजह भारत के मिसाइल परीक्षण ही हैं, जिन्हें आगामी कुछ दिनों में किया जाना है। चीन ने कुछ महीने पहले भी इसी तरह का एक जासूसी पोत श्रीलंका के हंबनटोटा बन्दरगाह पर भेजा था। इसके द्वारा उसने भारत की गतिविधियों पर नजर रखने का प्रयास किया था। पुख्ता जानकारी है कि चीन का जासूसी जहाज युआन यांग-6 हिन्द महासागर में प्रवेश कर चुका है और बाली के तट पर मौजूद है। इसका मकसद भारत के आगामी महत्वपूर्ण मिसाइल परीक्षणों को ट्रैक करना है। इस जासूसी जहाज का आगमन ऐसे समय में हुआ है जब भारत कुछ ही दिनों में अपने मिसाइल परीक्षण करने वाला है। उल्लेखनीय है कि हिन्द महासागर क्षेत्र में नौसेना के युद्धपोतों की मिशन तैनाती बनी रहती है, जिससे इस इलाके में आने-जाने वाले जहाजों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाती है। इधर भारतीय नौसेना ने यह निश्चित कर लिया है कि वह देश के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन में चीन के जासूसी जहाज को घुसने नहीं देगी। चीन का युआन यांग-6 जहाज आधिकारिक तौर पर अनुसंधान जहाज के तौर पर पंजीकृत है। यूं तो युद्धपोत सहित कई विदेशी जहाज एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन में आ सकते हैं लेकिन हमारे देश का कानून बिना किसी अनुमति के किसी भी देश को शोध या अन्वेषण की इजाजत नहीं देता है। इसी कानून के तहत भारत ने वर्ष 2019 में चीन के एक जासूसी जहाज शी यान-1 को एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन से बाहर जाने को मजबूर कर दिया था।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस' स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षामंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की स्मृति में मनाया जाता है। भारत में शिक्षा के विकास में मौलाना आज़ाद की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी।

मौलाना आज़ाद महिला शिक्षा के ख़ास हिमायती थे। उनकी पहल पर ही भारत में 1956 में 'यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन' की स्थापना हुई थी।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस प्रत्येक वर्ष '11 नवम्बर' को मनाया जाता है। यह दिवस भारत के महान् स्वतंत्रता सेनानी, प्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षामंत्री और 'भारत रत्न' से सम्मानित मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की स्मृति में मनाया जाता है। भारत में शिक्षा के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद आज ही के दिन (11 नवम्बर, 1888 ई.) पैदा हुए थे।

शुरुआत

वैधानिक रूप से 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस' का प्रारम्भ 11 नवम्बर, 2008 से किया गया है। '11 नवम्बर' की तिथि भारत के प्रसिद्ध व्यक्तित्व अबुल कलाम आज़ाद से जुड़ी है। इसी दिन इस महान् विभूति का जन्म सऊदी अरब के मक्का में हुआ था।

महात्मा गाँधी के विचारों से प्रभावित होकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने वाले मौलाना अबुल कलाम आज़ाद भारत के बंटवारे के घोर विरोधी और हिन्दू-मुस्लिम एकता के सबसे बड़े पैरोकारों में थे। हालांकि वह उर्दू के बेहद काबिल साहित्यकार और पत्रकार थे, लेकिन शिक्षामंत्री बनने के बाद उन्होंने उर्दू की जगह अंग्रेज़ी को तरजीह दी, ताकि भारत पश्चिम से कदमताल मिलाकर चल सके।

योगदान

मौलाना आज़ाद का मानना था कि अंग्रेज़ों के ज़माने में भारत की पढ़ाई में संस्कृति को अच्छे ढंग से शामिल नहीं किया गया, इसीलिए 1947 में आज़ादी के बाद भारत के प्रथम शिक्षामंत्री बनने पर उन्होंने पढ़ाई-लिखाई और संस्कृति के मेल पर विशेष ध्यान दिया। मौलाना आज़ाद की अगुवाई में 1950 के शुरुआती दशक में 'संगीत नाटक अकादमी', 'साहित्य अकादमी' और 'ललित कला अकादमी' का गठन हुआ। इससे पहले वह 1950 में ही 'भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद' बना चुके थे। वे भारत के 'केंद्रीय शिक्षा बोर्ड' के चेयरमैन थे, जिसका काम केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर शिक्षा का प्रसार करना था। उन्होंने सख्ती से वकालत की कि भारत में धर्म, जाति और लिंग से ऊपर उठ कर 14 साल तक सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा दी जानी चाहिए।

मौलाना आज़ाद महिला शिक्षा के खास हिमायती थे। उनकी पहल पर ही भारत में 1956 में 'यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन' की स्थापना हुई थी। आज़ाद जी को एक दूरदर्शी विद्वान् माना जाता था, जिन्होंने 1950 के दशक में ही सूचना और तकनीक के क्षेत्र में शिक्षा पर ध्यान देना शुरू कर दिया था। शिक्षामंत्री के तौर पर उनके कार्यकाल में ही भारत में 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी' का गठन किया गया था।

सर्वशिक्षा अभियान

केंद्र सरकार ने 6 से 14 वर्ष की उम्र वाले देश के सभी विद्यार्थियों के लिए सर्वशिक्षा अभियान के नारे के साथ इसकी शुरुआत वर्ष 2002 से की थी। इसके तहत शिक्षकों के लिए लगातार कई प्रशिक्षण सत्र रखे गए। देश भर के सभी राज्यों के सभी प्राथमिक-माध्यमिक स्कूलों के बाहर अनिवार्य रूप से सब ÷पढ़ें-आगे बढ़ें÷ का बोर्ड लगाया गया, जो समस्त जनता को यह संदेश देने के लिए लगाया गया था कि स्कूलों के दरवाज़े समाज के सभी वर्गों के लिए खुले हैं। इसके तहत सभी धर्मों-जातियों-वर्गों के स्वस्थ व अपंग बच्चों (6 से 14 वर्ष) को शिक्षित करने का प्रावधान किया गया। आगे चलकर इसे और भी व्यापक रूप दिया गया। इसी योजना के तहत देश के अल्पसंख्यक वर्ग के बच्चों के लिए कई विशेष योजनाओं को लागू भी किया गया और सफल भी किया गया। आगे चलकर इस अभियान के तहत 'अपंग समावेशक शिक्षा योजना' को लाया गया और देश के सभी अपंग बच्चों को स्वस्थ व सामान्य बच्चों के साथ-साथ समान शिक्षा प्रदान करने का अधिकार दिया गया।

अनिवार्य व मुफ़्त प्राथमिक शिक्षा अधिकार का क़ानून

'सर्वशिक्षा अभियान' की सफलता के साथ-साथ केंद्र सरकार को महसूस हुआ कि अभी भी समाज में कई दबे-कुचले वर्ग ऐसे हैं, जिनके बच्चे पढ़ने के बजाय अपने माता-पिता के साथ उनके काम में हाथ बंटाते हैं। सरकार को यह भी पता चला कि कई लापरवाह अभिभावक ऐसे हैं, जो अपने बच्चों को पढ़ाना ही नहीं चाहते। जब केंद्र सरकार को लगा कि पूरे देश के 6 से 14 वर्ष की उम्र वाले लाखों बच्चों को कक्षा 1 से 8 वीं की शिक्षा से वंचित रहना पड़ रहा है तो उसने वर्ष 2009 में ÷अनिवार्य व मुफ़्त प्राथमिक शिक्षा अधिकार का क़ानून-2009÷ लागू किया, जिसे संसद ने अपनी मंज़ूरी सहर्ष ही प्रदान की।

इस क़ानून के तहत पूरे देश में 6 से 14 वर्ष की उम्र वाले सभी बच्चों को अनिवार्य व मुफ़्त शिक्षा का अवसर उपलब्ध कराया गया। हालांकि इस क़ानून को काफ़ी पहले ही पारित कर दिया गया था, पर इसकी जानकारी अधिकतर लोगों को नहीं थी। इसे पूरे देश में व्यापक रूप से लागू करने के लिए सरकार ने योजना बनाई और अंततः देश के पहले शिक्षामंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती के शुभ अवसर पर, शुक्रवार के दिन ÷11 नवम्बर, 2011 ÷ से इसकी शुरुआत कर दी गई। इसके तहत सभी प्राथमिक स्कूलों के मुख्याध्यापकों को किसी भी अनपढ़ बच्चे को उसकी उम्र के अनुसार वाली कक्षा में पूरे साल सीधे प्रवेश देने और उसे पढ़ा कर सक्षम बनाने का अधिकार और निर्देश दिया गया।

शिक्षा से वंचित बच्चे

एक सर्वेक्षण में यह देखने में आया है कि अभी भी राह चलते समाज के कई वर्ग के ऐसे बच्चे दिख जाते हैं, जो स्कूल नहीं जाते। इसमें कचरा बीनने वाले बच्चे प्रमुख रूप से शामिल हैं। शहरी क्षेत्र में यह भी देखने में आया है कि अतंतः लघु स्तर पर व्यापार करने वाले कई परिवार ऐसे हैं, जो अपने बच्चों को साथ लेकर ही चलते हैं और उनके बच्चे स्कूल नहीं जा पाते। इसमें सड़क किनारे मोची का काम करने वाले, निवासी इमारतों में झाड़ू लगाने वाले, छोटी चाय-नास्ते की दुकान चलाने वाले, पान-बीड़ी की दुकान चलाने वाले, घरों में कुटीर उद्योग (अगरबत्ती, बिंदी, पापड़, नकली मोती के दाने गूंथने वाले, कपड़ों की सिलाई करने वाले आदि) सड़कों-मुहल्लों में घूमकर कचरा बीनने वाले, भीख मांगने वाले तथा रेलों-बसों में घूमकर या फिर रेल व बस अड्डों पर कोई न कोई सामान बेचने वाले बच्चे आदि शामिल हैं।

(चिंतन-मनन)

पूर्वाग्रह न पालें

पुत्र वयस्क हो चुका था। उसने एक दिन पिता से कहा, 'पिताजी! आज से मैं आपके साथ भोजन नहीं करूंगा।' यह कथन तनाव पैदा करने वाला था। पर पिता समझदार था। उसने तत्काल कहा, 'बेटा! कोई बात नहीं है। इतने दिनों तक तुम मेरे साथ भोजन करते रहे तो आज से मैं तुम्हारे साथ भोजन करने लग जाऊंगा। कोई खास बात नहीं है।' पुत्र प्रसन्न हो गया। तनाव मिट गया। आप्रोश समाप्त हो गया। कोई अन्तर नहीं आया। पुत्र के मन में अहं जाग गया कि अब मैं पिता के साथ भोजन क्यों करूं? पिता ने उसके अहं को परोक्षत- पुष्ट करते हुए कह दिया, 'मैं तुम्हारे साथ भोजन करने लग जाऊंगा।' यह है समन्वय की दृष्टि। समन्वय के दृष्टिकोण ने समस्या को सुलझा दिया। आदमी में अनेक प्रकार के आग्रह होते हैं, पूर्वाग्रह होते हैं। एक बात पकड़ ली तो फिर उसे छोड़ने का मन ही नहीं होता। जैसे मकोड़ा टूट जाता है, पर अपनी पकड़ नहीं छोड़ता, वैसे ही आदमी टूट जाता है, पर आग्रह को नहीं छोड़ता। मकोड़ा अज्ञानी है। उसकी चेतना विकसित नहीं है। आदमी ज्ञानी है। उसकी चेतना बहुत विकसित है। वह पकड़ को, आग्रह को छोड़ भी सकता है। सामाजिक या पारिवारिक जीवन में आग्रह जितना कम होता है, उतना ही जीवन सुखद और शांत रहता है। आग्रही व्यक्ति छोटी-सी बात को इतना तान देता है कि वह बड़ी समस्या पैदा कर देती है। सारी उलझनें पूर्वाग्रह के कारण पैदा होती हैं। दोनों ओर का पूर्वाग्रह स्थिति को बिगाड़ देता है। एक व्यक्ति यदि आग्रह को छोड़ देता है, तो स्थिति सुलझ जाती है। खींचने का अर्थ ही है समस्या का उलझना। इससे तो समस्या सुलझती नहीं।

रणवीर सिंह ने छोड़ा वाईआरएफ

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह को विशेष रूप से भारतीय कलाकार प्रबंधन फर्म कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क द्वारा प्रबंधित किया जाएगा। इससे पहले रणवीर सिंह को यश राज फिल्म्स के वाईआरएफ टैलेंट मैनेजमेंट द्वारा प्रबंधित किया गया था और उन्होंने उनके साथ सौहार्दपूर्ण तरीके से भाग लिया, वैराइटी की रिपोर्ट से यह जानकारी सामने आई है। एक सूत्र ने वैराइटी को बताया, यह सबसे बड़ा और सबसे रोमांचक घटनाक्रम है क्योंकि यह आज भारत में सबसे रोमांचक ब्रांड, रणवीर सिंह और देश की सबसे शक्तिशाली प्रबंधन एजेंसी के साथ आने का प्रतीक है। रणवीर केवल 12 वर्षों में, भारत में सुपरनोवा बन गए हैं। उन्हें आज भारत के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के रूप में माना जाता है, जिसकी वैश्विक उपस्थिति किसी और की तरह नहीं है। कलेक्टिव अब यह पता लगाने की कोशिश करेगा कि रणवीर का उद्यम कैसे नई ऊंचाइयों को छू सकता है और वैश्विक मील के पत्थर बना सकता है। कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क को पहले क्वान के नाम से जाना जाता था, जिसका सीएए के साथ चार साल का संयुक्त उद्यम था जो 2016 में समाप्त हुआ जब क्वान ने कंपनी में सीएए की हिस्सेदारी खरीदी। क्रॉल (पूर्व में डफ एंड फेल्प्स) की 2022 सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट के अनुसार, वह भारत में 46 ब्रांडों का चेहरा हैं और उनकी इक्विटी बढ़ रही है। रणवीर का ब्रांड वैल्यूएशन वर्तमान में 158.3 मिलियन डॉलर है, जो भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली के बाद शीर्ष 10 भारतीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है, जिनकी कीमत 185.7 मिलियन डॉलर है और साथी स्टार अक्षय कुमार से आगे हैं, जिनकी कीमत 139.6 मिलियन डॉलर है। रणवीर सिंह के कई वैश्विक ब्रांड संघ हैं, जिनमें एनबीए, फीफा विश्व कप, प्रीमियर लीग, यूएफसी, यस आइलैंड और एडिडास शामिल हैं।

बिंदु माधवी ने कमल हासन को बताया टू जेंटलमैन

चेन्नई। मशहूर निर्देशक शंकर, मलयालम सुपरस्टार ममूटी और मोहनलाल और अभिनेत्री बिंदु माधवी उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने सोमवार को अभिनेता कमल हासन को जन्मदिन की बधाई दी। ममूटी ने ट्विटर पर कमल के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं प्रिय कमल हासन। आने वाला वर्ष शानदार हो।

उलगनायगन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, महान अभिनेता, मेरे प्यारे कमल हासन सर, जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं! आप हमें आने वाले कई और वर्षों तक प्रेरित और विस्मित करते रहें। ऐस निर्देशक शंकर, जो वर्तमान में कमल हासन के साथ उनकी आगामी फिल्म, इंडियन 2 में काम कर रहे हैं, ने लिखा, हमारे खजाने, बहुमुखी प्रतिभा वाले कमल हासन सर को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। कई अन्य अभिनेताओं

जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। अभिनेत्री बिंदु माधवी, जिन्होंने कमल हासन के साथ नृत्य करते हुए एक तस्वीर पोस्ट की, ने लिखा, चमक और ग्लैमर की इस दुनिया में, जहां चारों ओर पुरुष हैं.. आप सर, एक सच्चे सज्जन हैं। जन्मदिन मुबारक हो कमल सर। आप जानते हैं किसी महिला को स्पेशल फील कैसे कराएं।

मैं आत्म-प्रेम के लिए अपनी क्षमता पर नए सिरे से विचार कर रही हूं: स्वर्णमाल्या

चेन्नई। निर्देशक मणिरत्नम की अलैपायुथे और निर्देशक राधा मोहन की मोझी जैसी तमिल सुपरहिट फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री स्वर्णमाल्या का कहना है कि वह खुद के प्रति दयालु होना चाहती हैं। अपने विचारों को कलमबद्ध करने के लिए इंस्टाग्राम पर, स्वर्णमाल्या, जो एक अनुभवी शास्त्रीय नृत्यांगना भी हैं, ने लिखा, स्वयं के प्रति दयालु होना। मैं एक ऐसे युग में पैदा हुई थी जहां आत्म प्रेम की सराहना नहीं की गई थी। लेकिन मैं एक ऐसे युग में विकसित हुई जहां स्वयं जीवन के केंद्र में है। उन्होंने एक चोट से जूझने के बारे में भी बात की, जिसने उन्हें प्रभावित किया, पुरानी आदतें मुश्किल से मरती हैं। इसलिए मेरे लिए, आत्म-प्रेम दिखाना हमेशा एक प्रयास होता है। लेकिन, जैसा कि मैं एक चोट से जूझ रही हूं

आत्म प्रेम की अपनी क्षमता पर नए सिरे से विचार कर रही हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं अभी भी नहीं जानती कि कैसे, काफी स्पष्ट रूप से, लेकिन मेरे पास मेरे आस-पास प्यारे लोग हैं जो मुझे दिखाते हैं कि कैसे। जैसा कि वे कहते हैं, खुशी साझा होने पर दोगुनी हो जाती है और दर्द आधा हो जाता है। मैं वहां से शुरू करूंगी। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, मुझे आशा है कि आप में से जो लोग आत्म-प्रेम के साथ संघर्ष करते हैं, वे आज अपने लिए मुस्कुराने का एक छोटा रास्ता खोज सकते हैं।

मैं हमेशा से फाइटर हूं मैं लड़ने जा रही हूं: सामंथा

मायोजिटिस नामक ऑटो-इम्यून बीमारी के लिए इलाज करवा रही दक्षिणी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री सामंथा का कहना है वह हमेशा से एक फाइटर रही हैं और इससे भी लड़ लेगी। अभिनेत्री, जिन्होंने अपनी आगामी फिल्म यशोदा के प्रचार के लिए अपने इलाज के लिए एक दिन की छुट्टी लेने का फैसला किया, ने अपनी वर्तमान स्थिति के बारे में बात की। यशोदा 11 नवंबर को स्क्रीन पर आने के लिए तैयार है। अभिनेत्री ने कहा, कुछ अच्छे दिन होते हैं, कुछ बुरे। कुछ दिन, बिस्तर से उठना मुश्किल होता है, कुछ दिन मैं लड़ना चाहती हूं। धीरे-धीरे मैं जिन दिनों से लड़ना चाहती हूं, उन दिनों की तुलना में अधिक से अधिक देना चाहती हूं। मीडिया के उस हिस्से की खबरों को उन्होंने खारिज किया जिसमें दावा किया गया था कि यह स्थिति जीवन के लिए खतरा है। इस पर अभिनेत्री ने कहा, अब तीन महीने हो गए हैं। मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मैं जल्द ही नहीं मर रही हूं। मैंने बहुत सारे लेख देखे जिनमें ऐसा बैसा बहुत कुछ कहा गया था। हां, यह एक ऑटोइम्यून स्थिति है और इसमें समय लग रहा है लेकिन मैं हमेशा एक लड़ाकू रही हूं और मैं लड़ने जा रही हूं। यह बताते हुए कि पिछले तीन महीने बहुत खराब रहे हैं, अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह उच्च खुराक वाली दवाएं ले रही हैं और डॉक्टरों के साथ संपर्क में लगातार बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने आगे अपनी बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि मैंने जीवन में हर चीज के बारे में बात की है। उन्होंने साक्षात्कार में कहा, लोगों को पता होना चाहिए कि हर किसी का समय अच्छा होता है और हर किसी का बुरा समय होता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अमीर हैं या प्रसिद्ध। हर कोई इसे जानता है।

रितेश और जेनेलिया स्टारर मिस्टर मम्मी 18 नवंबर को करेगी दर्शकों को एंटरटेन

रितेश देशमुख और जेनेलिया देशमुख स्टारर मिस्टर मम्मी अब 18 नवंबर 2022 को रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यानी शाद अली द्वारा निर्देशित इस गुदगुदाने वाली कॉमेडी का आनंद लेने के लिए फैन्स को बस थोड़ा और इंतजार करना होगा। बता दें इस फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों का प्यार मिला है। ये फिल्म टी-सीरीज़ द्वारा निर्मित है। इस ट्विस्टेड लाफ्टर राइड का ट्रेलर पहले ही दर्शकों के दिलों में जगह बना चुका है। यह फिल्म भावनाओं, ड्रामा और ढेर सारी कॉमेडी से भरपूर पारिवारिक मनोरंजन है, जो निश्चित रूप से आपको हंसा हसां के लोटपोट कर देगी। पहले कभी नहीं देखे गए कॉन्सेप्ट के साथ इस फिल्म का सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे है। टी सीरीज द्वारा प्रस्तुत मिस्टर मम्मी हेक्टिक सिनेमा प्रोडक्शन और बाउंड स्क्रिप्ट पिक्चर्स लिमिटेड प्रोडक्शन की फिल्म है जिसमें रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा अहम भूमिका में नजर आयेंगे। शाद अली द्वारा निर्देशित मिस्टर मम्मी टी-सीरीज, शिव अनंत और शाद अली द्वारा निर्मित है, जो अब 18 नवंबर को सिनेमाघरों में सबको एंटरटेन करेंगी।

सलमान किसी का भाई किसी की जान में भाग्यश्री और भूमिका के साथ आएंगे नजर?

सलमान खान की फिल्में रिलीज के पहले ही चर्चा में आ जाती हैं। इस समय वे किसी का भाई और किसी की जान में व्यस्त हैं और इस फिल्म के लिए कलाकारों का चयन भी चल रहा है। खबर है कि सलमान खान इस फिल्म में भूमिका चावला और भाग्यश्री के साथ भी नजर आएंगे। भाग्यश्री के साथ सलमान ने बतौर हीरो अपनी पहली फिल्म मैंने प्यार किया की थी जो बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी। मैंने प्यार किया के रिलीज के बाद भाग्यश्री ने शादी कर ली और सलमान खान के साथ फिर उन्होंने कभी नहीं फिल्म नहीं की। दूसरी ओर भूमिका चावला के साथ सलमान ने तेरे नाम नामक सुपरहिट फिल्म की थी। सलमान और भूमिका की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। इस फिल्म के बाद सलमान और भूमिका ने फिर कभी साथ फिल्म नहीं की। अब सलमान इन दोनों एक्ट्रेसेस के साथ बरसों बाद काम करने जा रहे हैं। हालांकि ऑफिशियल रूप से अभी कंफर्म नहीं किया गया है।

आंखें एक ऐसा तोहफा है जिसे आपको कभी हल्के में नहीं लेना चाहिए: शिल्पा

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी, जो योग करती हैं, ने सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों से अपनी आंखों की अच्छी देखभाल करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि आंखें एक ऐसा उपहार है जिसे किसी को भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। कंप्यूटर विजन सिंड्रोम के बारे में एक विस्तृत पोस्ट लिखते हुए, जो सूखापन और लाल आंखों का कारण बनता है, उन्होंने कहा, मैंने हाल ही में कहीं पढ़ा है कि स्क्रीन के लगातार संपर्क में आने से सूखापन और लाल आंख होती है, जिसे अब आमतौर पर कंप्यूटर विजन सिंड्रोम कहा जाता है। इस जानकारी ने वास्तव में मुझे चिंतित कर दिया। हालांकि हम तकनीक से बच नहीं सकते हैं, हम जो कर सकते हैं वह पर्याप्त नमी बनाए रखते हुए अपनी आंखों की उचित देखभाल कर सकते हैं। आंखों की सफाई की दिनचर्या या नेत्र योग का अभ्यास करने के लिए दिन के दौरान कुछ मिनट बाहर निकलें। यह दिनचर्या दृष्टि में सुधार करने में मदद करती है। यह डिजिटल आंखों के तनाव को कम करने में भी मदद करती है, आंखों के सूखेपन को रोकती है और आंखों के क्षेत्र में रक्त परिसंचरण को बढ़ाती है, जिससे एकाग्रता में सुधार शामिल है। अपनी आंखों का ख्याल रखना, मेरे प्यारे इंस्टा परिवार, यह एक ऐसा उपहार है जिसे हमें कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। अभिनेत्री ने आंखों पर तनाव कम करने

35 साल बाद फिर एक साथ आएंगे कमल हासन और मणिरत्नम

भारतीय सिनेमा के दिग्गज निर्देशकों में शुमार मणिरत्नम इन दिनों अपनी हालिया प्रदर्शित और ब्लॉकबस्टर रही फिल्म पोन्नियन सेल्वन-1 को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन कारोबार करते हुए 500 करोड़ की कमाई कर ली है। हालांकि यह मणिरत्नम के जोनर की फिल्म नहीं थी। उन्होंने पहली बार किसी ऐतिहासिक दस्तावेज पर आधारित फिल्म का निर्देशन किया है। पोन्नियन सेल्वन-1 कल्कि के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है, जिसमें चोल साम्राज्य की कथा है। मणिरत्नम इन दिनों जहाँ अपनी इस फिल्म को लेकर चर्चाओं में रह रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनकी चर्चा इस बात को लेकर भी हो रही है कि वे पोन्नियन सेल्वन-2 के बाद अपनी दूसरी फिल्म शुरू करने जा रहे हैं जिसके लिए उन्होंने कॉलीवुड के ख्यातनाम सितारे कमल हासन से हाथ मिलाया है। कमल हासन और मणिरत्नम अन्तिम बार 35 साल पहले फिल्म नायकन के लिए एक साथ आए थे। नायकन भारतीय सिनेमा की कल्ट फिल्मों में शामिल होती है। इस फिल्म के लिए कमल हासन ने राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त किया था। इस फिल्म का ऐलान करते हुए निर्देशक मणिरत्नम ने धमाकेदार एनाउंसमेंट वीडियो जारी किया है। फिल्म स्टार कमल हासन ने खुद भी इस टीजर वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए कमल हासन ने लिखा, हम फिर आ रहे हैं। इसी के साथ मणिरत्नम ने एक बार फिर से संगीतकार ए.आर. रहमान के साथ भी हाथ मिलाया है। कमल हासन अभिनीत इस आने वाली फिल्म के संगीत की बागडोर मणिरत्नम ने रहमान को सौंपी है, जिन्होंने उनकी हालिया प्रदर्शित फिल्म पोन्नियन सेल्वन-1 का संगीत दिया था। वैसे भी मणिरत्नम अपनी फिल्मों के संगीत के लिए ए.आर. रहमान को लेकर लेते हैं। कमल हासन इस वर्ष अपनी 400 करोड़ी फिल्म विक्रम को लेकर लगातार चर्चाओं में रहे हैं। इस फिल्म की सफलता के जरिये उन्होंने लम्बे समय बाद परदे पर सफलतम वापसी की थी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के कारण बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिकी बाजारों में गिरावट और वीकली एक्सपायरी का दिन होने से भी बाजार पर दवाब आया। इससे वह टूटने लगा। दिन भर के कारोबार के बाद तीसर शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 419.85 अंकों तकरीबन 0.69 फीसदी की गिरावट के साथ ही 60,613.70 पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 128.80 अंकों तकरीबन 0.71 फीसदी की गिरावट के साथ ही 18,028.20 पर बंद हुआ। इसके अलावा बैंक निफ्टी 0.43 फीसदी नीचे आकर 179.40 अंक गिरकर 41,603.80 पर बंद हुआ। वहीं मुख्य सूंचकांकों में गिरावट के बाद भी बाजार में बदलाव के कारण होने वाला नकारात्मक प्रभाव इंडिया विक्स आज 2 फीसदी से अधिक नीचे आया है। इंडिया विक्स का नीचे आना बाजार में कम उतार-चढ़ाव का संकेत होता है। अभी बाजार कुछ कारणों से गिरा है वहीं निवेशकों में डर का माहौल नहीं है। यूरोपीय बाजारों में भी गिरावट रही है। इसके अलावा अमेरिका में उपभोक्ता सामान इंडेक्स के आंकड़ों पर भी बाजार की नजरें होंगी। अनुमान है कि यदि यह आंकड़े सही आते हैं तो फिर मुद्रास्फीति में भी कुछ गिरावट नजर आयेगी और फेडरल बैंक भविष्य में ब्याज दरें बढ़ाने को लेकर ज्यादा आक्रामक नहीं होगा। हालांकि फेडरल बैंक ने भी कहा था कि तरफ हाल में जारी किए गए एक बयान में कहा गया है कि जब तक महंगाई पर पूरी तरह से नियंत्रण नहीं होता तब तक फेड अपने रुख में बदलाव नहीं करेगा। बाजार जानकारों के अनुसार उपभोक्ता सामान इंडेक्स के आंकड़ों पर निवेशकों की नजर है। यह नीचे आता है तो एशियाई बाजारों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। वहीं अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 92.59 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

सरकार एक्सिस बैंक में 1.55 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली। सरकार की निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक से बाहर निकलने की योजना है। सरकार की बैंक में अपनी 1.55 प्रतिशत हिस्सेदारी (4.65 करोड़ शेयर) बेचने पर विचार कर रही है। शेयर बाजारों को यह जानकारी दी गई है। केंद्र सरकार के तहत स्पेसिफाइड अंडरटेकिंग ऑफ द यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया (एसयूयूटीआई) की एक्सिस बैंक में 1.55 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना है। इस बिक्री के साथ की सरकार निजी क्षेत्र के ऋणदाता से अपनी पूरी हिस्सेदारी निकाल लेगी। एसयूयूटीआई के पास सितंबर, 2022 तक एक्सिस बैंक में 1.55 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले 4,65,34,903 शेयर थे। सरकार को मौजूदा बाजार भाव पर शेयर बिक्री से करीब 4,000 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। एक्सिस बैंक के शेयर बुधवार को बीएसई पर पिछले बंद के मुकाबले 0.17 प्रतिशत बढ़कर 874.35 रुपए पर बंद हुए। सरकार ने पिछले साल मई में एसयूयूटीआई के जरिये एक्सिस बैंक में अपनी 1.95 प्रतिशत हिस्सेदारी लगभग 4,000 करोड़ रुपए में बेची थी।

Godrej
Godrej & Boyce Mfg. Co. Ltd.

बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया गैरकानूनी: गोदरेज एंड बॉयस

मुंबई। गोदरेज एंड बॉयस मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड ने बंबई उच्च न्यायालय को सूचित किया कि महाराष्ट्र सरकार ने अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए मुंबई स्थित उसकी भूमि के अधिग्रहण की जो कार्रवाई शुरू की है वह अवैध तथा गैरकानूनी है। कंपनी ने राज्य सरकार और राष्ट्रीय उच्च गति रेल निगम लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) द्वारा उस पर लगाए उन आरोपों को भी खारिज किया जिनमें कहा गया था कि कंपनी भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में बेवजह अवरोध खड़े कर रही है जिससे परियोजना में विलंब हो रहा है। उसने कहा कि 264 करोड़ रुपये की जो अंतिम क्षतिपूर्ति राशि दी गई है वह तो भूमि अधिग्रहण के एवज में प्रस्तावित 572 करोड़ रुपये का महज एक हिस्सा है जिसकी कंपनी को आरंभिक तौर पर पेशकश की गई थी। कंपनी की याचिका के जवाब में सरकार और एनएचएसआरसीएल ने जो हलफनामे दायर किए उसके जवाब में कंपनी ने गुरुवार को हलफनामा दायर किया। कंपनी ने अपनी याचिका में महाराष्ट्र सरकार के 15 सितंबर 2022 के उस आदेश को चुनौती दी है जो बुलेट ट्रेन परियोजना की खातिर भूमि अधिग्रहण के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा मुआवजा देने से संबंधित है। उपनगर विखरोली में गोदरेज एंड बॉयस की भूमि के अधिग्रहण को लेकर कंपनी तथा सरकार के बीच 2019 से कानूनी लड़ाई छिड़ी हुई है। अदालत ने इस मामले पर सुनवाई 12 नवंबर तक के लिए टाल दी है।

पिडिलाइट का मुनाफा दूसरी तिमाही में 10 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। फेविकोल बनाने वाली पिडिलाइट का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 10.06 प्रतिशत घटकर 337.75 करोड़ रुपए रह गया। कच्चे माल की महंगाई बढ़ने और ऊंची कीमत वाले माल भंडार की वजह से कंपनी का लाभ घटा है। कंपनी ने इससे पूर्व वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी जुलाई-सितंबर तिमाही में 375.53 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। पिडिलाइट ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी की परिचालन आय आलोच्य तिमाही में 14.65 प्रतिशत बढ़कर 3,011.15 करोड़ रुपए रही। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 2,626.35 करोड़ रुपए थी।

टोयोटा ने सीएनजी श्रेणी में प्रवेश किया

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने ग्लैंजा और अर्बन क्रूजर हाइडराइडर के नए संस्करण पेश करने के साथ सीएनजी श्रेणी में प्रवेश करने की घोषणा की है। कंपनी ने जारी बयान में कहा कि ग्लैंजा के दो सीएनजी मॉडल की कीमत क्रमशः 8.43 लाख रुपए और 9.46 लाख रुपए है। हालांकि कंपनी ने अर्बन क्रूजर हाइडराइडर के सीएनजी मॉडल की कीमत का खुलासा नहीं किया। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) के बिक्री और रणनीति विपणन के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ग्राहक केंद्रित होने के नाते कंपनी उपभोक्ताओं के हित को सबसे आगे रखने में विश्वास करती है। उन्होंने कहा कि टोयोटा में हमारा लक्ष्य हमेशा ग्राहकों की आकांक्षाओं पर ध्यान देते हुए अपने ग्राहकों को सबसे व्यवहार्य उत्पाद और सेवाएं प्रदान करके बाजार की जरूरतों को पूरा करना रहा है।

सौर उत्पादन से भारत ने 6 महीने में बचाए 32 हजार करोड़

नई दिल्ली। भारत ने 2022 की पहली छमाही में सौर उत्पादन के माध्यम से ईंधन लागत में 4.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर (32603 करोड़ रुपए) की बचत की है। गुरुवार 10 नवंबर को इसे लेकर एक नई रिपोर्ट जारी की गई है। रिपोर्ट में भी पिछले दशक में सौर ऊर्जा के विकास का विश्लेषण किया और पाया कि सोलर कैपिसिटी वाली शीर्ष 10 अर्थव्यवस्थाओं में से 5 (चीन, जापान, भारत, दक्षिण कोरिया और वियतनाम) अब एशिया से हैं। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि 7 प्रमुख एशियाई देशों चीन, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया, वियतनाम, फिलीपींस और थाईलैंड में सौर उत्पादन के योगदान ने जनवरी से जून 2022 तक लगभग 34 बिलियन अमेरिकी डॉलर का संभावित जीवाश्म ईंधन लागत से बचा लिया गया। यह इस अवधि के दौरान कुल जीवाश्म ईंधन लागत के 9 प्रतिशत के बराबर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में सौर उत्पादन से साल की पहली छमाही में ईंधन लागत में 4.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर बचाए। इस उत्पादन ने 19.4 मिलियन टन कोयले की आवश्यकता को भी टाल दिया जो पहले से ही तनावपूर्ण घरेलू आपूर्ति पर जोर देता है। रिपोर्ट में पाया गया है कि अनुमानित 34 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बचत का अधिकांश हिस्सा चीन का है। यहां सोलर एनर्जी बिजली की कुल मांग का 5 प्रतिशत पूरा करता है और इस अवधि के दौरान अतिरिक्त कोयला और गैस आयात में लगभग 21 बिलियन अमेरिकी डॉलर बचा लिया जाता है।

अमित शाह ने की आईबी अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक, आंतरिक सुरक्षा से लेकर आतंकवाद पर हुई चर्चा

जैतो(रघुनंदन पराशर)। गृह मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशभर के इंटेलिजेंस अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और देश की आंतरिक स्थिति की समीक्षा की। बैठक में काउंटर टेररिज्म, कट्टरवाद से खतरे, साइबर सुरक्षा संबंधित मुद्दों, सीमा से जुड़े पहलुओं और राष्ट्र की अखंडता और स्थिरता को सीमा पार से विरोधी तत्वों के खतरों सहित राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गहन व्यापक विचार विमर्श हुआ। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज़ादी से अब तक देश में शांति बनाए रखने में बिना किसी यश के गुमनाम तरीके से आईबी ने बेहद अहम योगदान दिया है। हमारी लड़ाई आतंकवाद के साथ-साथ इसके सपोर्ट सिस्टम के साथ भी है, जब तक हम इन दोनों के खिलाफ सख्ती से नहीं लड़ते तब तक आतंकवाद पर जीत हासिल नहीं हो सकती। राज्यों की आतंकवाद-रोधी और ड्रग्स-रोधी ऐजेंसियों के बीच संपर्क बढ़ाने और सूचना साझा करने की प्रक्रिया को और सुदृढ़ बनाने की ज़रूरत है। वामपंथी उग्रवाद पर काबू पाने के लिए उसके फायनेंशियल और लॉजिस्टिकल सपोर्ट सिस्टम को खत्म करने की ज़रूरत है। हमें देश की कोस्टल सिक्योरिटी को भी अभेद्य बनाना होगा, इसके लिए सबसे छोटे और सबसे आइसोलेटेड पोर्ट पर भी हमारी पैनी नजर होनी चाहिए। नारकोटिक्स न सिर्फ देश की युवा पीढ़ी को बर्बाद करता है बल्कि इससे कमाया गया पैसा देश की आतंरिक सुरक्षा को भी प्रभावित करता है, इसलिए इसके समूल नाश के लिए हमें साथ मिलकर काम करना होगा।केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में देशभर के इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और देश की आंतरिक सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की।

बैठक में काउंटर टेररिज्म, कट्टरवाद से खतरे, साइबर सुरक्षा संबंधित मुद्दों, सीमा से जुड़े पहलुओं और राष्ट्र की अखंडता और स्थिरता को सीमा पार से विरोधी तत्वों के खतरों सहित राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गहन व्यापक विचार विमर्श हुआ। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार सुरक्षा के सभी पहलुओं को मजबूत कर राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध है और पिछले 8 वर्षों में देश की आंतरिक सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। अमित शाह ने कहा कि आज़ादी से अब तक देश में शांति बनाए रखने में बिना किसी यश के गुमनाम तरीके से आईबी ने बेहद अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई आतंकवाद के साथ-साथ इसके सपोर्ट सिस्टम के साथ भी है, जब तक हम इन दोनों के खिलाफ सख्ती से नहीं लड़ते तब तक आतंकवाद पर जीत हासिल नहीं हो सकती।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने राज्यों की आतंकवाद-रोधी और ड्रग्स-रोधी ऐजेंसियों के बीच संपर्क बढ़ाने और सूचना साझा करने की प्रक्रिया को और सुदृढ़ बनाने की ज़रूरत पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद पर काबू पाने के लिए उसके फायनेंशियल और लॉजिस्टिकल सपोर्ट सिस्टम को खत्म करने की जरूरत है।

गृह मंत्री ने कहा कि हमें देश की तटीय सुरक्षा को भी अभेद्य बनाना होगा और इसके लिए सबसे छोटे और सबसे आइसोलेटेड पोर्ट पर भी हमारी पैनी नजर होनी चाहिए। श्री शाह ने कहा कि नारकोटिक्स न सिर्फ देश की युवा पीढ़ी को बर्बाद करता है बल्कि इससे कमाया गया पैसा, देश की आंतरिक सुरक्षा को भी प्रभावित करता है, इसलिए, इसके समूल नाश के लिए, हमें साथ मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि सीमापार से ड्रोन के माध्यम से हो रही मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए हमें ड्रोन-विरोधी तकनीक का अधिकतम उपयोग करना होगा।

4जी सेवा लांच करेगा बीएसएनएल, टीसीएस से मिलाया हाथ

नई दिल्ली। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के साथ 26,281 करोड़ रुपये का सौदा करने के लिए केंद्र की मंजूरी मिल गई है। जिससे भारत में 4जी सेवाओं को लांच करने का रास्ता साफ हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, टीसीएस 4जी लाइन स्थापित करेगी और 9 साल तक नेटवर्क बनाए रखेगी। बीएसएनएल जल्द ही टीसीएस को 10,000 करोड़ रुपये के ऑर्डर देगी। इसके साथ राज्य द्वारा संचालित टेल्को दिसंबर 2022 या जनवरी 2023 तक अपनी 4जी सेवाओं को लांच करने की तैयारी करेगा। टाटा संस की यूनिट तेजस नेटवर्क बीएसएनएल के लिए स्थानीय स्तर पर उपकरणों का निर्माण करेगी। अक्टूबर में टीसीएस ने कहा था कि वह ऑर्डर के 12 महीने के भीतर मुख्य उपकरण मुहैया कराएगी। आदेश प्राप्त होने के 24 माह के भीतर रेडियो उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। 4जी सेवाओं के शुरू होने के बाद बीएसएनएल भी अगस्त 2023 तक 5जी सर्विस को लांच करने का लक्ष्य निर्धारित कर रही है। रिपोर्ट में बताया कि 26,281 करोड़ रुपये के ऑफर के साथ टीसीएस का लक्ष्य बीएसएनएल-एमटीएनएल नेटवर्क के लिए 100,000 टावर स्थापित करना होगा। इनमें उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों, लक्षद्वीप द्वीप समूह और 4जी सक्षम क्षेत्रों में अतिरिक्त 25,000 टावर स्थापित किए जाएंगे। यह डेवलपमेंट उस समय में आया है, जब केंद्र सरकार ने टेल्को को 4जी लॉन्च, संचालन वित्त पोषण और पूंजीगत व्यय को कवर करने के लिए 1.64 ट्रिलियन रुपये का बेलआउट पैकेज दिया है। बीएसएनएल के 4जी के लांच के साथ, भारत दूरसंचार नेटवर्क प्रौद्योगिकी विकसित करने में संयुक्त राज्य अमेरिका, स्वीडन, दक्षिण कोरिया और चीन की पसंद में शामिल हो जाएगा। इससे पहले बीएसएनएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक पीके पुरवार ने कहा था कि कंपनी की योजना 18 महीनों में लगभग 1.25 लाख 4जी मोबाइल साइट शुरू करने की है कंपनी के 4जी नेटवर्क का सबसे पहला संचालन इस साल नवंबर में शुरू होगा। पुरवार के अनुसार, कंपनी जो 4जी नेटवर्क उपकरण खरीद रही है, उसे सॉफ्टवेयर के जरिये 5जी में बदला जा सकेगा। बीएसएनएल की 5जी सेवाओं को शुरू करने की योजना को समयसीमा के बारे में पूछे जाने पर पुरवार ने कहा कि कंपनी केंद्रीय दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा निर्धारित 15 अगस्त, 2023 की समयसीमा के अनुसार 5जी को शुरू करने की राह पर है।

बिजली की खपत दोगुना होने से बढ़ेगी कोयले की मांग: जोशी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि 2040 तक देश में प्रति व्यक्ति बिजली खपत दोगुना होने का अनुमान है, जिसके कारण कोयले की मांग भी बढ़ती रहेगी। कोयला और खान मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने वाले जोशी ने जोर देकर कहा कि इस समय भारत में प्रति व्यक्ति बिजली खपत कुछ विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में दसवां हिस्सा भी नहीं है। कोयला मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक उन्होंने कहा कि कोयले की मांग कम से कम अगले 25-30 वर्षों तक बनी रहेगी। बयान में आगे कहा गया कि पहले पांच चरणों में 64 कोयला खदानों की नीलामी सफलतापूर्वक की जा चुकी है।

सरकारी खर्च में तीन साल में पहली बार कटौती कर सकती है केंद्र सरकार

- चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे को जीडीपी के परिप्रेक्ष्य में 6.4 प्रतिशत रखने प्रयास करेगी सरकार

नई दिल्ली। राजकोषीय घाटे को तय लक्ष्य से भीतर रखने के लिए केंद्र सरकार सरकारी खर्च में तीन साल में पहली बार कटौती कर सकती है। यह कटौती चालू वित्त वर्ष के अंतिम तिमाही में की जा सकती है। खर्च में कटौती इस तरह से की जाएगी, जिससे जीडीपी ग्रोथ पर इसका असर कम से कम पड़े। सरकार पहले ही कह चुकी है कि चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे को जीडीपी के परिप्रेक्ष्य में 6.4 प्रतिशत रखने के लिए प्रयास करेगी। सरकार वित्तीय घाटे पर लगाम लगाने के उपाय कर रही है, जो फिलहाल 4 से 5 फीसदी के ऐतिहासिक स्तर से ऊपर है। गौरतलब है कि 2020-21 में कोरोना महामारी के पहले साल के दौरान वित्तीय घाटा 9.3 फीसदी तक बढ़ गया था।सूत्रों के अनुसार इस बारे में महामंथन चल रहा है। किस-किस सेक्टर में सरकारी खर्च में कटौती की जाए, इस पर अभी फैसला नहीं लिया गया है। एक अप्रैल से शुरू हुए 2022-23 के वित्तीय वर्ष में कुल सरकारी खर्च 39.45 लाख करोड़ के बजट से काफी कम 70 से 80 करोड़ रुपये तक हो सकता है। राजकोषीय घाटा तय लक्ष्य के भीतर रहे, इसके लिए कदम भी उठाए जाएंगे। सरकार चाहती है कि चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय तय लक्ष्य में रहे ताकि अगले वित्त वर्ष में इस मोर्चे पर ज्यादा चुनौतियां न रहें। आईएमएफ ने कहा है कि अगले वित्त वर्ष में ग्लोबल मंदी आ सकती है। उससे हालात बिगड़ सकती है। यही कारण है कि सरकार चालू खाते के मोर्चे पर ज्यादा रिस्क नहीं लेना चाहती। इधर एक ग्लोबल रेटिंग एजेंसी का कहना है कि भारत चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएगा। भारत का वित्तीय घाटा तय लक्ष्य से ज्यादा होगा। फिच के अनुसार भारत ने चालू वित्त वर्ष के लिए वित्तीय घाटा का लक्ष्य जीडीपी के परिप्रेक्ष्य में 6.4 फीसदी तथा साल 2025-25 तक इसे जीडीपी के परिप्रेक्ष्य में 4.5 फीसदी तक लाने का लक्ष्य तय किया हुआ है। फिच का कहना है कि भारत की इकॉनमी के जो हालात है, उसे देखते हुए भारत को सब्सिडी और अन्य मदों में ज्यादा खर्च करना होगा। ऐसे में उसका खर्च बढ़ता जाएगा। ऐसे में भारत को अपनी आमदनी भी बढ़ानी होगी। जिस तरह के वैश्विक इकॉनमी में अनिश्चितता की स्थिति है, उसे देखते हुए नहीं लगता कि भारत खर्च और आमदनी के बीच ज्यादा संतुलन बना सकने में कामयाब होगा।

यूपी से बिहार तक सस्ता हो गया पेट्रोल-डीजल

ब्रेंट क्रूड का भाव 2.71 डॉलर गिरकर 92.65 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे के दौरान आई गिरावट से खुदरा बाजार में पेट्रोल-डीजल के दाम भी बदल गए हैं। यूपी और बिहार के कुछ शहरों में कीमतें नीचे आई हैं। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों में तेल कीमतें नहीं बदली गई है। गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल का भाव 18 पैसे चढ़कर 96.94 रुपए लीटर और डीजल का भाव 18 पैसे बढ़कर 90.11 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 18 पैसे सस्ता हुआ और 96.40 रुपए लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 17 पैसे सस्ता होकर 89.58 रुपए लीटर है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल का रेट 35 पैसे की गिरकर 107.24 रुपए प्रति लीटर, जबकि डीजल 32 पैसे टूटकर 94.04 रुपए प्रति लीटर के भाव बिक रहा है। कच्चे तेल में पिछले 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव 2.71 डॉलर गिरकर 92.65 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई करीब एक डॉलर की गिरावट के साथ 85.87 डॉलर प्रति बैरल बिक रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.94 रुपए और डीजल 90.11 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.43 रुपए और डीजल 89.63 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.40 रुपए और डीजल 89.58 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

केंद्र ने रुपए में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के सेटलमेंट की अनुमति दी

जैतो(रघुनंदन पराशर)। वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि भारत सरकार ने भारतीय रुपए में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार निपटानों अर्थात चालान, भुगतान और भारतीय रुपए में निर्यात/आयात के निपटान के लिए विदेश व्यापार नीति तथा प्रक्रियाओं की पुस्तिका में उपयुक्त संशोधन किए हैं। इसी के अनुरूप, विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने पहले ही 11 जुलाई 2022 के भारतीय रिजर्व बैंक (डीआईआर) की परिपत्र संख्या 10 के अनुरूप चालान, भुगतान और भारतीय रुपये में निर्यात/आयात के निपटान की अनुमति देने के लिए दिनांक 16 सितम्बर 2022 की अधिसूचना संख्या 33/2015-20 का पैरा 2.52(डी) लागू कर दिया। उपरोक्त अधिसूचना की निरंतरता में,11 जुलाई 2022 के भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार भारतीय रुपए में निर्यात प्राप्तियों के लिए विदेश व्यापार नीति के तहत निर्यात लाभों/छूटों/ निर्यात बाध्यताओं की पूर्ति की मंजूरी के लिए विदेश व्यापार नीति के पैरा 2.53 के तहत परिवर्तन लागू किए गए हैं। भारतीय रुपए में निर्यात प्राप्ति के लिए अग्रिम प्राधिकार को निर्यातों के लिए आयातों (एफटीपी का पैरा 2.46), स्थिति धारकों के रूप में मान्यता के लिए निर्यात निष्पादन (एफटीपीका पैरा 3.20), अग्रिम प्राधिकरण (एए) तथा शुल्क मुक्त आयात प्राधिकरण (डीएफआईए) (एफटीपी का पैरा 4.21) के तहत निर्यात आय की प्राप्ति और निर्यात संवर्धन पूंजीगत वस्तुओं (ईपीसीजी) स्कीम (एचबीपी का पैरा 5.11) के तहत निर्यात आय की प्राप्ति के लिए अधिसूचित किया गया है। इसी के अनुसार, विदेश व्यापार नीति के तहत, लाभों/छूटों/निर्यात बाध्यताओं की पूर्ति को 11 जुलाई 2022 के भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार भारतीय रुपए में प्राप्ति के लिए विस्तारित कर दिया गया है। भारतीय रुपए के अंतर्राष्ट्रीयकरण में बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए, भारतीय रुपए में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार लेनदेनों को सुगम बनाने तथा उसमें सरलता लाने के लिए ये नीतिगत संशोधन आरंभ किए गए हैं।

पीरामल को दूसरी तिमाही में 1,536 करोड़ का नुकसान

मुंबई। पीरामल समूह की वित्तीय सेवा इकाई पीरामल एंटरप्राइजेज को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 1,536 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। कंपनी ने कहा कि तिमाही रिपोर्ट में दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएचएफएल) के आंकड़े शामिल हैं। कंपनी ने इसका अधिग्रहण ऋण शोधन प्रक्रिया के जरिये सितंबर, 2021 में किया था। पीरामल ने कहा कि वित्तीय आंकड़े तुलना योग्य नहीं है क्योंकि पहली बार कमाई की सूचना रिजर्व बैंक के नियमन वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय इकाई के रूप में की गई है। साथ ही यह परिणाम डीएचएफएल के विलय के बाद आया है। कंपनी की कुल आय जुलाई-सितंबर तिमाही में 37 प्रतिशत बढ़कर 997 करोड़ रुपए रही। आलोच्य तिमाही में शुद्ध ब्याज आय 34 प्रतिशत बढ़कर 934 करोड़ रुपए रही।

टी20 विश्वकप: टीम इंडिया को दस विकेट से रौंदकर फाइनल में पहुंची इंग्लैंड

रविवार को पाक से होगा खिताबी मुकाबला

एडीलेड (एजेंसी)।

इंग्लैंड ने यहां टी20 विश्व कप क्रिकेट के दूसरे सेमीफाइनल में टीम इंडिया को दस विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनायी है। अब खिताबी मुकाबले में रविवार को उसका सामना पाकिस्तान से होगा। पाक टीम ने पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। पहले सेमीफाइनल की तरह ही यहां खेला गया दूसरा सेमीफाइनल भी एकतरफा रहा और भारतीय टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में टॉस जीतकर इंग्लैंड ने भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 168 रन बनाये। इस प्रकार इंग्लैंड को जीत के लिए 169 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने बिना किसी नुकसान के हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज जोस बटलर ने 80 और एलेक्स हेल्स ने 86 रनों की आक्रामक पारी खेली। इस जोड़ी ने 16 ओवर में ही 170 रन बनाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इस मैच में भारतीय टीम खेल के किसी भी क्षेत्र में नहीं टिक पायी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज दोनो ही नाकाम रहे। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और लोकेश राहुल 5 रन बनाकर आउट हो गये। राहुल क्रिस वोक्स की गेंद पर जोस बटलर के हाथों कैच हुए। इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने पारी को आगे बढ़ाया। रोहित और विराट ने भारतीय टीम को 56 रनों तक पहुंचाया तभी रोहित 21 रन बनाकर जोर्डन की गेंद पर सैम करेन के हाथों कैच हुए। आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये और 14 रन बनाकर साल्ट का शिकार बने। इसके बाद कोहली 50 और हार्दिक पांड्या 63 ने पारी को संभाला और उसे आगे बढ़ाया। दोनो ने ही बढ़े शॉट लगाकर रन गति भी बढ़ायी। हार्दिक ने 47 गेंदों पर चार चौके और पांच छक्के लगाये जबकि विराट ने 40 गेंदों पर चार चौके और एक छक्का लगाया। वहीं इंग्लैंड की ओर से क्रिस जॉर्डन ने 3 विकेट जबकि क्रिस वोक्स और आदिल रशीद ने एक-एक विकेट लिया।

भारत की लवलीना और अल्फिया एशियाई एलीट मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची

अमान (एजेंसी)।

भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन और अल्फिया पठान जॉर्डन के अम्मान में खेली जा रही एएसबीसी एशियाई एलीट मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गयी हैं। लवलीना और अल्फिया ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीते हैं। लवलीना ने 75 किग्रा वर्ग में दक्षिण कोरिया की सेओंग सुयोन पर 5-0 से जीत दर्ज की। इसी के साथ ही लवलीना ने इस सत्र में रजत पदक पक्का कर लिया है।

वहीं 81 किग्रा भार वर्ग के सेमीफाइनल में अल्फिया ने 2016 की विश्व चैंपियन कजाकिस्तान की लज्जत कुंगेइबायेवा को 5-0 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी। अल्फिया ने इस अनुभवी मुक्केबाज को दूसरी बार हराया है।

अब फाइनल में लवलीना का मुकाबला एशियाई चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता रुज्मेतोवा सोखीबा से होगा जबकि अल्फिया का मुकाबला जॉर्डन की इस्लाम हुसैली से होगा। वहीं एक अन्य सेमीफाइनल में भारत की ही अंकुशिता बोरो को उज्बेकिस्तान की खामिदोवा नवबखोर के खिलाफ सेमीफाइनल में 1-4 से हार गयीं जिससे उन्हें कांस्य ही मिला।

आईपीएल के अगले सत्र के लिए 23 दिसंबर को कोच्चि में होगी नीलामी

मुबई (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 23 दिसंबर को केरल के कोच्चि में होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी के अनुसार इस नीलामी के लिए बेंगलुरु, नई दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद के अलावा तुर्की का इस्तांबुल शहर भी मेजबानी की दौड़ में शामिल था।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, लॉजिस्टिक जरूरतों और तारीखों को देखते हुए कोच्चि हमें सबसे उपयुक्त स्थल लगा। इस बार खिलाड़ियों की कम संख्या में नीलामी होगी। इसके अलावा आईपीएल की 10 फ्रेंचाइजी टीमों को पहले ही 15 नवंबर तक रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची देने को कहा गया है। इसके साथ ही 2023 सत्र के लिए खिलाड़ियों पर खर्च करने वाली रकम को 90 से बढ़ाकर 95 करोड़ रुपये किए जाने की भी उम्मीद है। वहीं पिछली मेगा नीलामी में 107 कैप्ड खिलाड़ी और 97 अनकैप्ड खिलाड़ी बिके थे और इस प्रकार कुल 551.7 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।

2022 की नीलामी के बाद आईपीएल टीमों के पास शेष रकम

पंजाब किंग्स- 3.45 करोड़ रुपये
लखनऊ सुपर जायंट्स- 0
चेन्नई सुपर किंग्स- 2.95 करोड़ रुपये
रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर- 1.55 करोड़
राजस्थान रॉयल्स- 0.95 करोड़ रुपये
कोलकाता नाइट राइडर्स- 0.45 करोड़
गुजरात टाइटंस- 0.15 करोड़ रुपये
मुंबई इंडियंस- 0.10 करोड़ रुपये
सनराइजर्स हैदराबाद- 0.10 करोड़
दिल्ली कैपिटल्स- 0.10 करोड़ रुपये

टी20 विश्व कप में शर्मनाक हार के बाद आया रोहित का बयान, कहा- किसी को दबाव से निपटना नहीं सिखा सकते

एडिलेड (एजेंसी)।

एडीलेड। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनके खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ गुरूवार को यहां टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में दबाव में आ गये। उन्होंने 10 विकेट की शर्मनाक हार के लिये अपने गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार ठहराया।

भारतीय गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स और जोस बटलर ने 169 रन के लक्ष्य को बिना विकेट गंवाये चार ओवर रहते हासिल कर लिया। रोहित ने मैच के बाद कहा कि आज के नतीजे से काफी निराश हूं। हमने अपनी पारी के अंत में अच्छी बल्लेबाजी कर यह स्कोर बनाया। हम गेंदबाजी में अच्छे नहीं रहे।

यह निश्चित रूप से ऐसा विकेट नहीं था जिसमें एक टीम 16 ओवर में ही यह लक्ष्य हासिल कर लेती। आज हम गेंद से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि जब नॉकआउट चरण में पहुंच जाते हैं तो इसमें दबाव से निपटना अहम हो जाता है। यह हरेक व्यक्ति पर भी निर्भर करता है। आप किसी को भी दबाव से निपटना नहीं सिखा सकते। जब ये खिलाड़ी आईपीएल के प्लेऑफ में खेलते हैं तो ये मैच काफी दबाव वाले मुकाबले होते हैं और वे इससे अच्छी तरह निपटते हैं।

रोहित ने कहा कि हमने गेंद से जैसी शुरूआत की, वह आदर्श नहीं थी। हम थोड़े नर्वस थे। भारतीय कप्तान ने इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आपको उनके सलामी बल्लेबाजों को श्रेय देना होगा, वे काफी अच्छी तरह खेले। मुझे लगता है कि पहले ओवर में यह थोड़ी स्विंग हुई, लेकिन सही क्षेत्र में नहीं। उन्होंने कहा कि जब हमने पहला मैच जीता तो इसमें काफी जज्बा दिखा था। बांग्लादेश के खिलाफ मैच थोड़ा पेचीदा रहा। मुझे लगता है कि हमने संयम बनाये रखा और अपनी योजना पर डटे रहे। आज ऐसा नहीं कर सके।

इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने टूर्नामेंट के शुरू में आयरलैंड से मिली उलटफेर भरी हार के बाद शानदार वापसी के लिये टीम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आयरलैंड से मिली हार के बाद हमने जिस तरह का जज्बा दिखाया है, वह शानदार है। हम यहां आकर काफी उत्साहित थे। बटलर ने कहा कि आज पहले से 11वें नंबर के खिलाड़ी ने अच्छा प्रदर्शन किया। हम हमेशा तेज और आक्रामक शुरूआत करना चाहते हैं।

हेल्स की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि हेल्स ने मैदान का बखूबी इस्तेमाल किया और उसने अपनी फॉर्म दिखायी। वह आज शानदार था। हमारा प्रदर्शन शानदार रहा। हेल्स को 47 गेंद में 86 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी के लिये मैन आफ द मैच चुना गया। उन्होंने इसे विशेष पारी और अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रात करार दिया क्योंकि उन्होंने कभी भी एक और विश्व कप खेलने की उम्मीद नहीं की थी। उन्होंने कहा कि यह परफेक्ट पारियों में निश्चित रूप से सबसे ऊपर होगी। बड़ा पल, भारत से विश्व कप के सेमीफाइनल में भिड़ना। खुश हूं कि मैंने ऐसी विशेष पारी खेली।

खेल के स्तर को बेहतर बनाने रैफरियों का वेतन बढ़ाएगा एआईएफएफ

नई दिल्ली। अब भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) खेल के स्तर को बेहतर बनाने के लिए जल्द ही देश में 50 रेफरी नियुक?त करने जा रहा है। इसके साथ ही एआईएफएफ का लक्ष्य इन रैफरियों को बेहतर वेतन देना है ताकि ये बेहतर तरीके से काम कर सकें। यह नियुक्तियां हालांकि अनुबंध के आधार रहेंगी। अब अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की ओर से नियुक?त किए जाने वाले रेफरी को 50 हजार से 80 हजार रुपये प्रति माह वेतन दिया जाएगा जिससे वह बेहतर तरीके से गुजारा कर सकें। अभी तक रेफरी को दिया जाने वाला वेतन बहुत कम है। राज्य लीग में एक रेफरी को 2500 से 5000 रुपये और राष्ट्रीय लीग में 8000 से 10,000 रुपये तक मिलते हैं। यह सालाना ढाई लाख रुपये से तीन लाख रुपये होते हैं जिसमें जीवन यापन कठिन रहता है। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि रेफरी के स्तर में तभी सुधार किया जा सकता है। जब रेफरी को पर्याप्त पैसा मिले जिससे वह अपने परिवार का भरण पोषण कर सकें और वह पूर्णकालिक पेशे के रूप में काम कर सकें। इसके लिए उन्हें एक तय मानदेय देना होगा। गौरतलब है कि इंडियन सुपर लीग टीमों के दौरान विदेशी कोच भारतीय रेफरी की गलतियों के लिए उनकी आलोचना करते रहे हैं।

कोहली टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन बनाने विश्व के पहले बल्लेबाज बने

एडिलेड । टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट सेमीफाइनल में अर्धशतक लगाने के साथ ही एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही कोहली टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 4000 रन बनाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली को 4000 टी20 रनों को पूरा करने के लिए केवल 42 रनों की जरूरत थी, जिसे उन्होंने भारत की पारी के 15वें ओवर में ही आदिल राशिद की गेंद पर चौका लगाकर हासिल कर लिया। कोहली को 2014 और 2016 दोनों ही टी20 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड मिला था। जिससे वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले एकमात्र क्रिकेटर बने हैं। कोहली टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने खिलाड़ी बने हैं। इस सूची में वह कप्तान रोहित शर्मा, मार्टिन गप्टिल, बाबर आजम और पॉल स्टर्लिंग से आगे हैं। कोहली ने टी 20 विश्व कप 2022 में 6 मैचों में सबसे ज्यादा 296 रन बनाये हैं। कोहली ने इस टूर्नामेंट में चार अर्धशतक लगाये हैं।

बड़े मुकाबलों में फ्लॉप रही है न्यूजीलैंड , 12 बार खिताब के करीब आकर भी खाली हाथ लौटी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केन विलियम्सन की कप्तानी में टी20 विश्वकप क्रिकेट के आठवें सत्र की जीत से शुरुआत करने वाली न्यूजीलैंड का सफर एक बार फिर निराशाजनक तरीके से समाप्त हो गया। टीम एक बार फिर सेमीफाइनल की बाधा पार नहीं कर पायी। यह 12 वीं बार है जब टीम को सेमीफाइनल या फाइनल में हार के कारण खिताब से वंचित रहना पड़ा है। देखने में आया है कि स्टार खिलाड़ियों के होने के बाद भी कीवी टीम दबाव में ढ़ह जाती है। इससे एक बार फिर उसका विश्वकप जीतने का इंतजार बढ़ गया है। कीवी टीम एक बार भी एकदिवसीय विश्व कप भी नहीं जीत पायी है। एकदिवसीय विश्वकप 1975 से खेला जा रहा है। इस प्रकार 47 साल से कीवी टीम ने अब तक कोई खिताब नहीं जीता है। इस दौरान उसे एकदिवसीय ओर टी20 में कुल मिलाकर 12 बार सेमीफाइनल ओर फाइनल खेलने के अवसर मिले हैं पर हमेशा ही उसके हाथ नाकामी लगी है। इस बार भी ऐसा ही हुआ है।

न्यूजीलैंड के टी20 विश्व कप के रिकॉर्ड को देखें, तो उसने साल 2007 में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी, तब उसे पाकिस्तान ने ही 6 विकेट से हराया था। फिर 2016 में भी टीम अंतिम-4 में जगह बनाने में सफल रही थी, तब उसे इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था। पिछले साल न्यूजीलैंड टीम ने फाइनल में जगह बनायी थी। इसें उसे ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट से हराया था। यानी टीम टी20 विश्व कप में 4 बार खिताब के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी जबकि विश्व कप की बात करें, तो अब तक 12 सत्र हुए हैं। इस दौरान न्यूजीलैंड ने 2 बार फाइनल और 6 बार सेमीफाइनल में स्थान बनाया है। साल 1975 और 1979 में टीम सेमीफाइनल से बाहर हुई थी। फिर 1992, 1999, 2007 और 2011 में एक बार फिर उसे सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। वहीं 2015 और 2019 में भी टीम फाइनल में पहुंच पर खिताब नहीं जीत सकी।. 2015 में उसे ऑस्ट्रेलिया ने जबकि 2019 में उसे इंग्लैंड से बाउंड्री काउंट नियम से हार मिली थी।

निस स्टार सानिया मिर्जा की जिंदगी में आया भूचाल, शौहर शोएब से लिया तलाक, दोस्त ने की पुष्टि

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक के रिश्ते के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। काफी समय से खबरें आ रही थी कि दोनों के रिश्ते में खटास आ गई है, जिसकी अब पुष्टि हो गई है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि दोनों ने तलाक ले लिया है, जिसका खुलासा पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के खिलाड़ी और शोएब के दोस्त ने किया है। ये खबर सामने आने के बाद दोनों के ही फैंस का काफी धक्का लगा है। तलाक के बाद शोएब पाकिस्तान और सानिया दुबई में रह रही है। हालांकि अब तक इस खबर की दोनों खिलाड़ियों में से किसी ने पुष्टि नहीं की है। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि दोनों के बीच तलाक का कारण दरअसल शोएब का अफेयर है। कहा जा रहा है कि शोएब किसी दूसरी लड़की को डेट कर रहे है। ये दूसरी लड़की मॉडल आयशा कमर मानी जा रही है। बता दें कि वर्ष 2021 में शोएब मलिक और आयशा ने एक बोल्ड फोटो शूट करवाया था। इस फोटोशूट के बाद शोएब मलिक ने कहा था कि आयशा ने उनकी काफी मदद की है। बता दें कि आयशा उमर पाकिस्तानी अभिनेत्री, मॉडल और यूट्यूबर है। वो पाकिस्तान की सबसे अधिक कमाई करने वाली अभिनेत्रियों में शामिल है। इसके बाद से ही दोनों के अफेयर की चर्चा होने लगी है। इस कारण सानिया और शोएब के बीच अनबन होने लगी है। मामला सुलझता ना देखते हुए दोनों ने ही अलग होने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि शोएब ने सानिया को धोखा दिया है और यही कारण है कि दोनों ने अलग होने का फैसला किया है।

फीफा वर्ल्ड कप 2022 : 32 टीमों में एक खिताब के लिए होगी जंग, ऐसा है फुटबॉल वर्ल्डकप का पूरा शेड्यूल

दोहा (एजेंसी)।

फीफा फुट बॉल वर्ल्ड कप 2022 का आयोजन इस वर्ष कतर में होने जा रहा है। कतर में होने वाले इस वर्ल्ड कप में स्पेन, जर्मनी, ब्राजील जैसी मजबूत टीमें खिताब के लिए दावेदारी पेश करने उतरेंगी। इन टीमों को वर्ल्ड कप का मजबूत दावेदार भी माना जा रहा है। इस टूर्नामेंट में मौजूदा चैंपियन फ्रांस भी बड़ा उलटफेर करने का माद्दा रखती है। इसके अलावा बीते टूर्नामेंट की रनरअप टीम क्रोएशिया भी उलटफेर कर सकती है।

इस वर्ल्ड कप 2022 के लिए सभी टीमों को आठ ग्रुपों में विभाजित किया गया है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला कतर और इक्काडोर के बीच होना है, 20 नवंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले की बात करें तो फाइनल मुकाबला 18 दिसंबर को खेला जाएगा। वहीं वर्ल्ड कप की शुरुआत से पहले टीमों ने अपने स्क्वाड का एलान करना शुरू कर दिया है।

जानें वर्ल्ड कप का फॉर्मेट

इस वर्ल्ड कप में हर टीम अपने ग्रुप की सभी टीमों से एक एक मुकाबला खेलेगी। हर ग्रुप में शानदार प्रदर्शन करने वाली शीर्ष दो टीमों को राउंड ऑफ 16 में जाने का मौका मिलेगा। सभी ग्रुप की शीर्ष दो टीमों के बीच नॉकआउट मुकाबले होंगे। इसके बाद जो भी टीमें जीत हासिल करती जाएंगी उन्हें टूर्नामेंट में आगे बढ़ने का मौका मिलता रहेगा। वहीं मैच हारने वाली टीम को टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ेगा।

राउंड ऑफ में आठ मुकाबले होने है, जिनमें 16 टीमों में से आठ टीमें मैच जीतेंगी और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएगी। क्वार्टर फाइनल में आठ टीमें आएंगी जो चार मुकाबले खेलेंगी। इन चार मुकाबलों में जीत हासिल करने वाली टीमें सेमीफाइनल का सफर तय करेंगी। सेमीफाइनल में जीत हासिल करने के बाद फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

जानें मैच का पूरा शेड्यूल

इस वर्ष फुटबॉल वर्ल्ड कप 2022 का आयोजन कतर में 20 नवंबर से होगा। वर्ल्ड कप ग्रुप स्टेज के मुकाबले 20 नवंबर से दो दिसंबर तक खेले जाने है। इसके बाद तीन से छह दिसंबर के बीच राउंड ऑफ 16 के मुकाबले आयोजित किए जाने है। वर्ल्ड कप टूर्नामेंट के मैचों में ब्रेक नहीं दिया गया है। राउंड ऑफ 16 के बाद नौ और 10 दिसंबर को क्वार्टर फाइनल मुकाबले होंगे। इसके बाद 13-14 दिसंबर को सेमीफाइनल मुकाबले और 18 दिसंबर को टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला जाएगा।

जाने किस समय आएंगे मैच

जानकारी के मुताबिक ग्रुप स्टेज, राउंड ऑफ 16, क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों के लिए समय अलग अलग है। ये सभी मैच रात 8.30 बजे, रात 9.30, रात 12.30, दोपहर 3.30 और शाम 6.30 बजे मैच शुरू होंगे। इन मैचों का आयोजन कतर के आठ अलग अलग स्टेडियम में किया जाना है। बता दें कि पूरे वर्ल्ड कप के दौरान कुल 64 मुकाबले खेले जाएंगे।

ये टीमें भिड़ेंगी

वर्ल्ड कप में सभी टीमों की भिड़ंत पहले एक दूसरे के साथ ग्रुप में होगी। इस बार के ग्रुप इस प्रकार है।

ग्रुप-ए: कतर, सेनेगल, इक्काडोर, नीदरलैंड्स
ग्रुप-बी: वेल्स, इंग्लैंड, ईरान, यूएसए
ग्रुप-सी: सऊदी अरब, पोलैंड, मैक्सिको, अर्जेंटीना
ग्रुप-डी: डेनमार्क, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ट्यूनिसिया
ग्रुप-ई: जापान, कोस्टारिका, स्पेन, जर्मनी
ग्रुप-एफ: कनाडा, क्रोएशिया, मोरक्को, बेल्जियम,
ग्रुप-जी: ब्राजील, स्विटजरलैंड, कैमरून, सर्बिया,
ग्रुप-एच: घाना, पुर्तगाल, कोरिया रिपब्लिक, उरुग्वे,

फीडे महिला कैंडिडैट- चीन की लेई टिंगजे नें बनाई फाइनल में जगह

मोंटी कार्लो, मोनोको । फीडे महिला कैंडिडैट टूर्नामेंट के पूल ए में भारत की शीर्ष खिलाड़ी ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी, उक्रेन की एना मुजयचूक और ग्रांड मास्टर मारिया मुजयचुक को पीछे छोड़ते हुए चीन की ग्रांड मास्टर लेई टिंगजे नें फाइनल में अपनी जगह बना ली है । सेमी फाइनल मुक़ाबले में उक्रेन की एना मुजयचूक के खिलाफ पहले तीन क्लासिकल मुक़ाबले के बाद स्कोर 1.5-1.5 से बराबर था पर अंतिम चौंथे मुक़ाबले में लेई नें सफ़ेद मोहरो से गुन्फ़ील्ड ओपनिंग में 42 चालों में जीत हासिल करते हुए 2.5-1.5 फाइनल में प्रवेश कर लिया अब उनका मुक़ाबला पूल बी से फाइनल पहुँचने वाली खिलाड़ी से होगा । फाइनल जीतने वाली खिलाड़ी विश्व चैम्पियन चीन की जू वेंजून के साथ विश्व चैंपियनशिप खेलेगी ।

भाजपा की उम्मीदवारों की सूची में 11 नामों पर गुजरात भर में चर्चा

उम्मीदवारों की सूची में 14 महिलाएं एवं 4 डॉक्टर शामिल, 13 एससी-एसटी उम्मीदवार

अहमदाबाद।
गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर आज भाजपा ने 182 में से 160 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। जिसमें 69 उम्मीदवारों को रिपीट किया है। भाजपा दवारा प्रथम चरण की 89 सीट में से 83 उम्मीदवारों के नाम जारी किए है। जबकि दूसरे चरण की 93 सीट में से 77 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए है। आनेवाले दिनों में शेष 22 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की जाएगी।

भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर 160 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है। अहमदाबाद की घाटलोडिया सीट से मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को चुनाव मैदान में उतारा है। 160 उम्मीदवारों में से 69 उम्मीदवारों को फिर से टिकट दी है। 14 महिलाएं एवं 4 डॉक्टर को भी चुनाव मैदान में उतारा है। मोरबी सीट से ब्रिजेश मेरजा की टिकट काट काट दी गई है, जबकि कांति अमृतिया को भाजपा ने टिकट दी है। भाजपा के कई सीटिंग विधायक की भी टिकट काट दी गई है। जिसमें पूर्व गृहराज्यमंत्री प्रदिपसिंह जाडेजा, भूपेन्द्रसिंह चूडासमा, जगदीश पटेल की टिकट काट दी गई है। गौरतलब है कि कल रात ही पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी एवं भूपेन्द्र सिंह चूडासमा ने चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया था। भाजपा द्वारा प्रथम चरण के 89 सीटों पर 83 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। जिसमें अहमदाबाद घाटलोडिया-भूपेन्द्र पटेल, कच्छ अबडासा-प्रद्युमनसिंह जाडेजा, कच्छ मांडवी अनिरूद्ध दवे, भूज केशुभाई पटेल, अंजार त्रिकम छांगा, गांधीधाम मालती महेश्वरी, रापर विरेन्द्रसिंह जाडेजा, वीसनगर ऋषिकेश पटेल, सुरेन्द्रनगर दसाडा पी.के.परमार, लींबडी किरीटसिंह राणा, वढवाण जीज्ञा पंड्या, चोटीला शामजी चौहाण, ध्रांगध्रा प्रकाश वरमोरा, मोरबी कांति अमृतिया, टंकारा दुर्लभजी देथरिया, वांकानेर जीतु सोमाणी, राजकोट पूर्व से उदय कानगड, राजकोट पश्चिम से डॉ.दर्शिता शाह, राजकोट दक्षिण से रमेश टीलाला, राजकोट ग्राम्य से भानुबेन बाबरिया, खेडब्रह्मा से अश्विन कोटवाल, गांधीनगर दक्षिण से अल्पेश ठाकोर, विरमगाम से हार्दिक पटेल, जसदण से कुंवरजी बावलिया, गोंडल से गीताबा जाडेजा, जेतपुर से जयेश रादडिया, कालावड से मेघजी चावडा, जामनगर ग्राम्य राघवजी पटेल, जामनगर उत्तर रीवाबा जाडेजा, जामनगर दक्षिण दिव्येश अकबरी, जामजोधपुर चीमन सापरिया, द्वारका पबुभा माणेक, पोरबंदर बाबु बोखीरिया, माणावदर जवाहर चावडा, जूनागढ संजय कोरडिया, विसावदर हर्षद रिबडिया, केशोद देवाभाई मालम, मांगरोळ भगवानजी करगथिया, सोमनाथ मानसिंह परमार, तलाला भगवान बारड, कोडीनार डॉ.प्रदुयमन वाजा, उना के.सी. राठोड, धारी जे.वी.काकडिया, लाठी जनक तलाविया, सावरकुंडला महेश कसवाला, महुवा शिवा गोहिल, तलाजा गौतम चौहाण, राजुला हीरा सोलंकी, गारियाधार केशु नाथाणी, पालिताणा भीमाभाई बार-ैया, भावनगर ग्राम्य पुरुषोत्तम सोलंकी, भावनगर पश्चिम जीतु वाघाणी, गढजा शंभुनाथ टूंडिया,बोटाद घनश्याम विराणी, नांदोद डॉ.दर्शनाबेन देशमुख (वसावा) जंबुसर डी.के.स्वामीस वागरा अरूणसिंह राणा, जघडिया रितेश वसावा, भरूच रमेश मिस्त्री, अंकलेश्वर इश्वर पटेल, ओलपाड मुकेश पटेल, मांगरोल गणपत वसावा, मांडवी कुंवरजी हलपति, कामरेज प्रफुल पानसेरिया, सुरत इस्ट अऱविंद राणा, सुरत नोर्थ कांति बलर, वराछा रोड किशोर कानाणी, कारंज प्रवीण गोधारी, लिंबायत संगीता पाटील, मजूरा हर्ष संघवी, कतारगाम विनु मोरडिया, सुरत वेस्ट पूर्णेश मोदी, बारडोली इश्वर परमार, महुवा मोहन घोडिया, व्यारा मोहन कोंकाणी, निझर जयराम गामित, डांग विजय पटेल, नवसारी जलालपोर आर. सी.पटेल, नवसारी राकेश देसाई, गणदेवी नरेश पटेल, वांसदा पियूष पटेल, धरमपुर अऱविंद पटेल, वलसाड भरत पटेल रिपिट, पारडी कनु देसाई रिपीट, कपराडा जीतु चौधरी एवं उमरगाम से रमणलाल पाटकर को टिकट दी है। जबकि दूसरे 93 सीट में से 77 उम्मीदवारों को टिकट दी है। वाव स्वरूपजी ठाकोर, थराद शंकर चौधरी, धानेरा भगवानजी चौधरी, दांता लघुभाई पारधी, वडगाम मणीभाई वाघेला, पालनपुर अनिकेत ठाकोर, दिसा प्रवीण माली, दियोदर केशवजी ठाकोर, कांकरेज कीर्तिसिंह वाघेला, चाणस्मा दिलीपसिंह ठाकोर, सिद्धपुर बलवंतसिंह राजपूत ऊंझा किरीट पटेल, वीसनगर ऋषिकेश पटेल, बेचराजी सुखाजी ठाकोर, कडी करशन सोलंकी, विजापुर रमण पटेल, इडर रमणलाल वोरा, खेडब्रह्मा अश्विन कोटवाल, भिलोडा पी.सी.बरांड, बायड भीखीबेन परमार, प्रांतिज गजेन्द्रसिंह परमार, दहेगाम बलराजसिंह चौहाण, विरमगाम हार्दिक पटेल, साणंद कनु पटेल, वेजलपुर अमित ठाकर, एलिसब्रिज अमित शाह, नारणपुरा जीतेन्द्र पटेल, निकोल जगदीश विश्वकर्मा, नरोडा, डॉ.पायल कुकराणी, ठक्करबापानगर कंचन रादडिया, बापूनगर दिनेश कुशवाह, अमराईवाडी डॉ.हसमुख पटेल, दरियापुर कौशिक जैन, जमालपुर खाडिया भूषण भट्ट, मणीनगर अमूल भट्ट, दाणीलीमडा नरेश व्यास, साबरमती डॉ.हर्षद पटेल, असारवा दर्शना वाघेला, दस्क्रोई बाबु पटेल, धोलका किरीटसिंह डाभी, धंधुका कालूसिंह, बोरसद रमण सोलंकी, आंकलाब गुलाबसिंह पडियार, उमरेठ गोविंद परमार, आणंद योगेश पटेल, सोजित्रा विपुल पटेल, मातर कल्पेश परमार, नडियाद पंकज देसाई, महुधा संजयसिंह महिडा, ठासरा योगेन्द्रसिंह परमार, कपडवंज राजेश जाला, बालासिनोर मानसिंग चौहाण, लुणावाडा जीज्ञेश सेवक, संतरामपीर कुबेर डींडोर, सेहरा जेठाभाई आहीर, मोरबा हडफ निमिषा सुथार, गोधरा केसी राउलजी, कलोल फत्तेसिंह चौहाण, हालोल जयद्रथ परमार, फत्तेपुरा रमेश कटारा, लीमखेडा शैलेश भाभोर, दाहोद कनैयालाल किशोरी, देवगढबारिया बचुभाई खाबड, सावली केतन इनामदार, वाघोडिया अश्विन पटेल, छोटा उदेपुर राजेन्द्रसिंह राठवा, संखेडा अभयसिंह तळवी, डभोई शैलेष महेता, वडोदरा मनीषा वकील, अकोटा चैतन्य देसाई, पादरा चैतन्यसिंह झाला, रावपुरा बालकृष्ण शुक्ला और करजण से अक्षय पटेल को टिकट दी है। वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष नीमाबेन आचार्य की टिकिट काट दी है। राजकोट की चारों सीट पर उम्मीदवार बदले गए हैं। ग्राम्य सीट पर 2012 में विजयी हुए भानुबेन बाबरिया को फिर से टिकट दी है। हाईकोर्ट में क्रिमीनल केस चल रहे होने के कारण जामनगर के हकुभा जाडेजा की टिकट काट दी गई है। जबकि क्रिकेटर रविन्द्र जाडेजा की पत्नी रीवाबा जाडेजा को चुनाव मैदान में उतारा है।

गुजरात में कांग्रेस को 2 दिन में तीसरा झटका

अहमदाबाद।
गुजरात में विधानसभा चुनाव पूर्व कांग्रेस विधायक एक के बाद एक कांग्रेस का हाथ छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे है। दो दिन में आज कांग्रेस को तीसरा झटका लगा है। दाहोद की झालोद सीट से कांग्रेस विधायक भावेश कटारा कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गए।

आज गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने 160 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है। इस दौरान पिछले दो दिन से कांग्रेस को लगातार झटके मिल रहे है। दो दिन में कांग्रेस के तीन विधायकों ने कांग्रेस का हाथ छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया।

50 वर्षों से राजनीति से जुडे और 10 सालों से छोटा उदेपुर के विधायक रहे मोहनसिंह राठवा कल कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा में जुड़ गए। आज मोहनसिंह राठवा के पुत्र को भाजपा ने टिकट दी है। एक और विधायक भगवानभाई बारड ने भी कांग्रेस का हाथ छोड़कर भगवा धारण कर लिया। गीरसोमनाथ के तालाला सीट पर भगवान बारड को आज भाजपा ने टिकट दी है। आज ही दाहोद जिले के जालोद सीट से विधायक भावेश कटारा ने कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गए। कांग्रेस का टिकट ना मिलने से भावेश कटारा नाराज थे। गौरतलब है कि राज्यसभा चुनाव में भावेश कटारा ने क्रोस वोट किया था।

सूरत न्यू सिविल अस्पताल द्वारा 7वां अंगदान

सूरत।
सूरत के ठाकुर परिवार ने एक ब्रेन डेड रिश्तेदार का लीवर और दोनों किडनी दान कर तीन लोगों को नया जीवन दिया है. इसी के साथ सूरत नवी सिविल अस्पताल की ओर से 7वां अंगदान किया गया है।

मूल रूप से बिहार के महमूदपुर तालुक के दोस्तिया गांव का रहने वाला ठाकुर परिवार वर्तमान में सूरत जिले के पलसाना, बरेली में रहता है। इस परिवार के 44 वर्षीय सदस्य नवोद रूपनारायण ठाकुर 07 तारीख को रात नौ बजे रोज की तरह अमर ज्योति कंपनी-कडोदरा से घर लौट रहे थे, तभी सड़क पार करते समय किसी अज्ञात वाहन ने उनकी जोरदार टक्कर मार दी और वे घायल हो गए. सिर में गंभीर चोट.. कान, नाक और मुंह से खून बहने पर उन्हें 108 एम्बुलेंस से सूरत के संजीवनी अस्पताल में अस्वाभाविक हालत में ले जाया गया, जहां से उन्हें आगे के इलाज के लिए न्यू सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया। 09 तारीख को उन्हें आईसीयू में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां ड्यूटी पर चिकित्सा विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अश्विन वसावा ने घायल नवोद की 2डी इको की।

चूंकि उनके ठीक होने की कोई संभावना नहीं थी, इसलिए उन्हें सिविल न्यूरोफिजिशियन डॉ परेश जांजमेरा सहित मेडिकल टीम ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया। डॉ। नीलेश कचड़िया ने ठाकुर परिवार और उनकी पत्नी निभादेवी, बेटे रौनक और आशुतोष, बेटी प्रीति को अंगदान का महत्व और पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया.

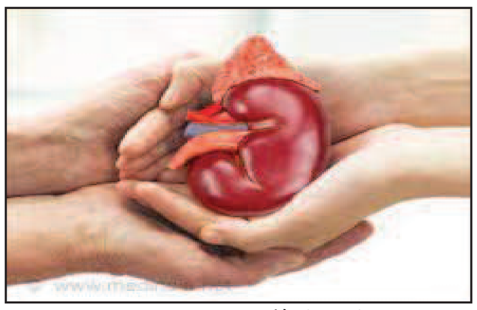

स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्ग।- स्ह्ठ्ञ्ठ्ठ्ह के ऑर्गन डोनेशन टीम के सदस्यों को इस परिवार द्वारा अंगदान के लिए अनुमति दी गई और बताया कि जब हमारे रिश्तेदार के शरीर का अंतिम संस्कार किया जा रहा है, तो उन सभी अंगों का दान करें जो जरूरतमंद रोगियों द्वारा उपयोग किए जा सकते हैं। . परिवार की सहमति प्राप्त करने के बाद, लीवर और दोनों किडनी को इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिजीज एंड रिसर्च सेंटर- आईकेडीआरसी, अहमदाबाद को आवंटित किया गया था।

बिहार में दाता रोगी के शव को उसके पैतृक शिवहर जिले में भेजने के लिए शव को सम्मानित करने के लिए सरकारी खर्च पर एक निजी एम्बुलेंस सेवा प्रदान की गई थी।

कोटक महिंद्रा बैंक ने MSMEs के लिए एक व्यापक समाधान पेश करते हुए मर्चेंट वन अकाउंट लॉन्च किया

सूरत। कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड (केएमबीएल / कोटक) ने मर्चेंट वन अकाउंट लॉन्च करने की घोषणा की है। यह वन-स्टॉप समाधान छोटे खुदरा विक्रेताओं सहित एमएसएमई की बैंकिंग और व्यवसाय संबंधी अन्य जरूरतों को पूरा करता है। मर्चेंट वन अकाउंट में कई तरह की पेशकशें शामिल हैं और छोटे व्यवसायों को खुद को डिजिटल समाधानों से लैस करने में मदद करता है जो उनके दिन-प्रतिदिन के कार्यों को आसान, अधिक सुविधाजनक और तेज बनाते हैं। इसके अलावा, मर्चेंट वन अकाउंट खुदरा विक्रेताओं को अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम अनुभव प्रदान करने में भी मदद करता है।

मर्चेंट वन एक ऑल-इन-वन खाता है, जो देश भर के व्यापारियों की लेन-देन संबंधी चिंताओं का एक प्रभावी समाधान पेश करता है। मर्चेंट वन अकाउंट में कई सेवाएं शामिल हैं, जो खुदरा विक्रेताओं को लेनदेन खाते बनाए रखने, ग्राहक डेटाबेस रिकॉर्ड करने, स्टॉक को डिजिटल रूप से ऑर्डर करने आदि में मदद करती हैं। इसके अलावा, गैर-रखरखाव शुल्क नहीं लगाया जाएगा, भले ही व्यापारी अपने चालू खाते में औसत मासिक शेष राशि बनाए रखने से चूक जाए।

ठाकुर भास्कर, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और हेड, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स और मर्चेंट एक्वायरिंग, कोटक महिंद्रा बैंक ने कहा, देश भर में डिजिटलीकरण की लहर के बीच, एमएसएमई स्टोर मालिक अपनी हर व्यावसायिक प्रक्रिया को मैन्युअल रूप से बनाए रखते हैं। मर्चेंट वन अकाउंट उन्हें बिल करने, ग्राहक डेटाबेस बनाने, अभियान और ऑफ़र चलाने, भुगतान ट्रैक करने, इन्वेंट्री रखने और डिजिटल रूप से ऑर्डर देने में मदद करता है। यह अनूठा प्रस्ताव व्यापारियों को स्मार्ट ऑटोमेशन के माध्यम से अपनी दैनिक व्यावसायिक प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने में मदद करता है। मर्चेंट वन अकाउंट खुदरा विक्रेताओं को उनकी दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ क्षमता जोड़ने में भी मदद करता है, जो आमतौर पर संगठित खुदरा क्षेत्र में देखा जाता है।

मर्चेंट वन खाता दो प्रकारों में उपलब्ध है। - मर्चेंट वन अकाउंट और मर्चेंट वन प्रीमियम अकाउंट। यह नीचे के रूप में खुदरा विक्रेताओं को लाभान्वित करता है।

1. भुगतान आसानी से पीओएस या क्यूआर, यूपीआई से मोबाइल, कार्ड या भुगतान लिंक भेजकर किया जा सकता है।
2. उन्हें कॉम्प्लिमेंटरी kotak.biz ऐप के साथ एडवांस टेक्नोलॉजी मिलती है, जो उनके स्मार्टफोन को POS मशीन में बदल देती है।
3. कोटक वन पीओएस से सामान को स्कैन करें, ताकि बिल डिजिटल रूप से जेनरेट हो सके
4. बिलिंग के दौरान ग्राहकों का डेटाबेस तैयार करें
5. मुफ्त एसएमएस सुविधा की मदद से कुछ ही क्लिक में सभी ग्राहकों को ऑफर भेजें
6. प्राप्तियों को ट्रैक करें और एक डिजिटल लेज़र के साथ भुगतान अनुस्मारक स्वचालित करें
7. इन्वेंट्री को डिजिटल रूप से ट्रैक करें
8. डिजिटली ऑर्डर करें
9. एक क्लिक के साथ दैनिक बिक्री प्रवृत्तियों के साथ-साथ ग्राहक खरीद इतिहास का विश्लेषण प्राप्त करें

श्री सर्बानंद सोनोवाल वाराणसी में आयोजित होने वाले 2-दिवसीय पीएम गति शक्ति मल्टीमॉडल जल मार्ग शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे

भारतीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई), बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार 11-12 नवंबर, 2022 को 'पीएम गतिशक्ति मल्टीमॉडल जलमार्ग शिखर सम्मेलन' का आयोजन कर रहा है। यह शिखर सम्मेलन होगा। दीनदयाल हस्तशिल्प परिसर (व्यापार केंद्र और संग्रहालय) वाराणसी में, पीएम उत्तर प्रदेश जलमार्ग में बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए, गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करेंगे।

श्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री, शिखर सम्मेलन से पहले वाराणसी के रविदासघाट में NW-1 (नदीगंगा) पर सामुदायिक घाट के उद्घाटन पत्थरों (7) और आधारशिलाओं (8) का भी अनावरण करेंगे।

पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान और मल्टीमॉडल वाटर वेस समिट के बारे में बोलते हुए श्रीसोनोवाल ने कहा, "प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के विचार के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम मोबिलिटी नेशनल मास्टर प्लान (एनएमपी) लोगों और सामानों की निर्बाध आवाजाही के लिए पहली और अंतिम मील कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए रसद दक्षता में सुधार और रसद लागत को कम करने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है। गति शक्ति एनएमपी के तहत एमओपीएसडब्ल्यू के 62,627 करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जिसे 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक नई उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं का लक्ष्य 1,913 करोड़ रुपये है।

लैंक्सेस इंडिया ने जीता 'डिजिटेक फ्रंट रनर ऑफ द ईयर' फिक्की अवार्ड 2022

मुंबई। लैंक्सेस इंडिया ने केमिकल सेक्टीर में 'डिजिटेक फ्रंट रनर ऑफ द ईयर' कैटेगरी के लिये फिक्कीन केमिकल्स एण्डं पेट्रोकेमिकल्स अवार्ड 2022 जीता है। भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक राज्यै मंत्री श्री भगवंत खुबा ने केमिकल्सक एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग के वरिष्ठा अधिकारियों और इस सेक्टतर के अन्यब साझीदारों की मौजूदगी में यह प्रतिष्ठित पुरस्कााार सौंपा।

पीटीएसई के अपर निदेशक एवं प्रमुख बलराम खोट और पीटीएसई-ऑक्युपेशनल सेफ्टी, एक्जैकक्टर, रिस्पॉबन्सिबल केयर एवं ट्रेड कॉम्लाने यंस के वरिष्ठक प्रबंधक भरत मीसाला ने 2 नवंबर 2022 को नई दिल्लीव में हुए एक आयोजन में लैंक्से स इंडिया की ओर से 'डिजिटेक फ्रंट रनर ऑफ द ईयर' पुरस्कापर प्राप्तए किया।

यह पुरस्काऑर कारोबारी प्रक्रियाओं के डिजिटलाइजेशन में कंपनी के प्रयासों, डिजिटल क्षमताओं और विभिन्न क्षेत्रों में इस्तेमाल हुए डिजिटल टूल्सि/ संसाधनों के लिये है। जैसे कि महत्वा श्रृंखला में कार्यान्वियन के माध्यतम से प्रक्रिया में सुधार, संपदा की विश्वैसनीयता, सुरक्षा, स्थोयित्व पूर्णता और लागत में बचत।

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बार्स ऑफ कॉमर्स एण्डम इंडस्ट्री् (फिक्कीस) आयोजनों की इंडिया केम सीरीज के तहत द्विवार्षिक आधार पर केमिकल्स एण्डी पेट्रोकेमिकल्सक अवार्ड्स समारोह का आयोजन करता है। इसमें केमिकल एवं पेट्रोकेमिकल उद्योग के विकास में कंपनियों के योगदान के लिये उनका अभिनंदन किया जाता है।

इस सफलता पर अपनी बात रखते हुए, लैंक्सेतस इंडिया के वाइस चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्ट र नमितेश रॉय चौधरी ने कहा, "यह प्रतिष्ठित पुरस्कांर पाकर हम सम्मारनित महसूस कर रहे हैं। डिजिटल बदलाव के माध्यसम से हमारा लक्ष्य् है अपने ग्राहकों, कर्मचारियों और दूसरे साझीदारों को अतिरिक्तल महत्व प्रदान करना। नई टेक्नो लॉजीज और सोचने का डिजिटल तरीका गतिविधियों को ज्यादा आसान बनाता है और कंपनी की उत्पाचदकता, संपर्कशीलता तथा संपूर्ण प्रदर्शन को सुधारने में सहायक होता है।"

अमेजनपेका #AbHarDinHuaAasan अभियान व्यापारियों को डिजिटल भुगतान से मिल रही सुविधा को दिखाता है

डिजिटल भुगतान की वजह से देशभर में लाखों व्यापारियों का जीवन आसान बनने का जश्न मनाने के लिए अमेजनपे ने आज अपने डिजिटल अभियान #AbHarDinHuaAasan के दूसरे चरण का अनावरण किया। लॉन्च होने के बाद से अब तक 50 लाख से ज्यादा व्यापारियों ने अमेजनपेफॉरबिजनेस के ऐप पर साइनअप किया है। अभियान फिल्म दैनिक जीवन के उदाहरणों को दिखाती है, जहां व्यापारी अमेजनपे की सुविधा का अनुभव करते हैं और उपभोक्ताओं को किसी को भी, कहीं पर भी, सहजता से भुगतान करने और तत्काल पुरस्कार हासिल करने में सक्षम बनाने के लिए भुगतालटूल्स के उपयोग की सादगी को रेखांकित करता है।

अभियान के बारे में बोलते हुए, विकास बंसल, पूर्णकालिक सदस्य- अमेजनपे इंडिया ने कहा, "हमारा लक्ष्य प्रत्येक भारतीय की भुगतान और वित्तीय जरूरतों को हल करके उनके जीवन को आसान बनाना और आकांक्षाओं को पूरा करना है। हमनेंडिजिटल भुगतान को विश्वसनीय, सुविधाजनक, तेज और बिना किसी रुकावट के बनाया है, और अपने व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए भुगतान विकल्पों की व्यापक पसंद उपलब्ध कराई है। हमारा निरंतर ध्यान स्माल एंड मीडियमबिजनेस और छोटे व्यापारियों को भुगतान टूल और समाधानों के माध्यम से सशक्त बनाना है, जो विभिन्न कस्टमर टचप्वॉइंट्स पर उनके डिजिटल भुगतान अनुभव को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। #AbHarDinHuaAasan जागरूकता फैलाने और डिजिटल भुगतान को अपनाने की जरूरत को और मजबूत करने और प्रत्येक व्यापारी, उपभोक्ता, बुजुर्ग या युवा को निर्बाध रूप से लेनदेन करने के लिए प्रोत्साहित करना हमारा एक प्रयास है।"

#AbHarDinHuaAasan अभियान फिल्म यह दिखाती है कि कैसे व्यवसाय मालिक अपने स्टोर में भारी हलचल के बीच भी भुगतान स्वीकार करने में आसानी का अनुभव करते हैं और अपने व्यवसाय को कुशलता से चलाते हैं। यह अमेजनपे आईसीआईसीआई को-ब्रांडेडक्रेडिट कार्ड के माध्यम से क्रेडिट तक पहुंच की आसानी को भी दर्शाती है जो अपने ग्राहकों को अपने बजट का तुरंत विस्तार करने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा, यह फिल्म दिखाती है कि स्थानीय स्टोर मालिक अमेजनपेफॉरबिजनेसऐप के साथ एकाउंट्सरिकंसीलेशन आदि जैसे फीचर्स के जरिये कैसे अपने व्यवसाय को बढ़ा सकते हैं।

2021 में शुरू किए गए #AbHarDinHuaAasan अभियान का पहला भाग महामारी के बाद डिजिटल भुगतान का उपयोग करने में आसानी और लाखों ग्राहकों और व्यापारियों पर इसके प्रभाव को दिखाती है। फिल्म अमेजनपे की सुविधा, सुरक्षा और सर्वव्यापकता को सामने लेकर आई है और यह दिखाती है कि कैसे छोटे और सूक्ष्म व्यापार मालिकों को डिजिटल भुगतान को अपनाने के लिए प्रेरित करती है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)